प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

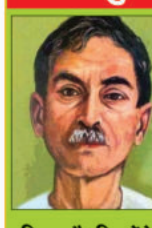

लिखते तो वह लोग है, जिनके अंदर कुछ दर्द है, अनुराग है, लगन है, विचार है। जिन्होंने धन और भोग-विलास को जीवन का लक्ष्य बना लिया, वह क्या लिखेंगे?

मुंशी प्रेमचंद

वर्ष-05, अंक-34 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 25 मई 2023 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

सिडनी में मोदी शो, पूरी आस्ट्रेलियाई कैबिनेट स्वागत में उतरी

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में पीएम नरेंद्र मोदी का मेगा शो देखने को मिला है। यहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने पीएम नरेंद्र मोदी को बॉस कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, भारतीयों ने ऑस्ट्रेलिया के विकास में अहम योगदान दिया है और हम उनकी संस्कृति से समृद्ध हुए हैं। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई सरकार के विदेश मंत्री, संचार मंत्री समेत कई नेता मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि, मैंने वादा किया था कि अब वह दौर नहीं आएगा, जब भारत का पीएम यहां 28 वर्ष बाद आए। यह बात सही साबित हुई है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि जल्दी ही ब्रिसबेन में भी भारत का कौंसुलेट खुलेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि, ऑस्ट्रेलिया और भारत के रिश्तों को तीन डी तय करते हैं। ये हैं डेमोक्रेसी, डायस्पोरा और दोस्ती। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि दोनों के संबंध तीन ई पर आधारित हैं, ये हैं इकॉनमी, एजुकेशन और एनर्जी। लेकिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों का विस्तार इससे कहीं बड़ा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे संबंधों में गहराई की वजह विश्वास और आपसी सहयोग भी है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर ऑस्ट्रेलिया और भारत को जोड़ता है। भले ही हमारी जीवनशैलियां अलग-अलग हैं, लेकिन योग हमें जोड़ता है। क्रिकेट के जरिए तो हम ना जाने कब से जुड़े हैं। अब फिल्में और टेनिस भी हमें जोड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, यह ऑस्ट्रेलिया के लोगों की सहिष्णुता है कि वे हमारी विविधता को स्वीकार करते हैं। वह कहते हैं कि यही वजह है कि कुछ लोगों के लिए पैरामाटा स्क्वायर परमात्मा चौक बन गया है। वहीं हैरिस पार्क कुछ लोगों के लिए हरीश पार्क है। पीएम मोदी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में तो एक लखनऊ भी है। यहां दिल्ली स्ट्रीट, बॉम्बे स्ट्रीट, कश्मीर एवेन्यू जैसी सड़कें आपको भारत से जोड़े रखती हैं। मुझे बताया गया कि, ग्रेटर सिडनी में इंडिया परेड भी शुरू होने जा रही है। मुझे यह जानकर अच्छा लगा कि आप लोगों ने यहां आजादी का अमृत महोत्सव भी धूमधाम से मनाया है।

मुफ्त की रेवड़ी बनाम जनकल्याणकारी योजनाएं...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक दलो को सलाह "मुफ्त की रेवड़ी भविष्य के लिए चिन्ताजनक इससे बचे" के बाद राजनीति में एक नई बहस छिड़ गई है। हर राजनीतिक दल अपने द्वारा घोषित वादों को जनकल्याणकारी योजना बना रहा है। वही विरोधियों द्वारा किए जा रहे वादों को मुफ्त की रेवड़ी बनाने पर आमादा है। अब सवाल यह है कि, मुफ्त की रेवड़ी व जनकल्याणकारी योजना में अंतर क्या है ...?

यह सही है कि, शासन चलाने के लिए धन की आवश्यकता होती है और यह धन जनता से टैक्स के रूप में लिया जाता है और जरूरतमंदो को सरकार की नीति के अनुरूप लाभ दिया जाता है, यह व्यवस्था आदि काल से चली आ रही है। राजा-महाराजाओ द्वारा भी कर की वसुली की जाती थी। भारतीय कर व्यवस्था में, वर्तमान में कर व्यवस्था में एक तय आय से अधिक अर्जन करने वाले से टेक्स लिया जाता है। टैक्स व्यवस्था को लेकर किसी कवि ने कहा है कि, टैक्स व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जैसे सुर्य जमीन में जल से जल खिचता है और बादल के रूप में पूरी पृथ्वी पर वापस जल बरसा देता है। जिससे लिया उसको पता भी नही चलता है और वापस वर्षा के रूप में सभी को फायदा पहुचा देता है। लेकिन वर्तमान व्यवस्था में आयकर दाता अपने आप को ठगा सा महसुस कर रहा है। वह टैक्स के रूप मे सरकार को बड़ी धन राशी देता है बदले में सरकार द्वारा उसे सुविधा देना तो दूर बल्कि उसे चोर साबित किया जा रहा है। निश्चित रूप से समाज में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकारी लाभ को पहुचाना ही चाहिए लेकिन क्या वो वास्तव में पहुच रहा है...? भाजपा सरकार का कहना है कि, वो अत्योदय के लिए कार्य कर रही है लेकिन वास्तव में ऐसा हो रहा है...? सरकारी योजना बनती तो अंतिम व्यक्ति के लिए है लेकिन उसका वास्तविक लाभ बिचौलिए उठा लेते है।

भ्रष्टाचार नही भ्रष्टाचार का तरीका बदला है

भाजपा सरकार लाख दावा करे कि, उनके शासन काल में भ्रष्टाचार कम हुआ है। प्रधानमंत्री स्वंय कांग्रेस पर तंज कसते रहे है कि, उनके शासन काल में दिल्ली से जारी एक रूपया गावो में पहुचते-पहुचते 15 पैसे रह जाता था लेकिन क्या वर्तमान में भी पुरा रूपया अंतिम व्यक्ति तक पहुच रहा है...?

जिस प्रकार सरकार भ्रष्टाचार रोकने के लिए नियम बना रही है, वैसे ही भ्रष्टाचार के तरीके में बदलाव होता जा रहा है। भ्रष्टाचार वर्तमान में शिष्टाचार बन चुका है। हर अधिकारी आगे देना पडता है कहकर किसी भी योजना में मनमाने तरीके से वसुली कर रहा है और आम जतना को भी लगता है कि, अगर वो पैसा नही देगे तो उनका काम नही होगा इसलिए वो भी पैसे देने में संकोंच नही करता है। आज कई जगह छापामार कार्यवाही में छोटे-छोटे कर्मचारियो और अधिकारियो के पास बेशुमार दौलत निकल रही है। क्या वे सभी एक नंबर की कमाई के है...? और छापामार कार्यवाही वमुश्किल दो-चार लोगो पर होती है और वो ही केस (रूपये) बाहर आ पाते है।

मुक्त की रेवडी नहीं, सक्षम बनाए

जनकल्याणकारी योजना और मुफ्त की रेवड़ी में अंतर है। शासन का कार्य है जनकल्याणकारी योजना बनाना... मुफ्त की रेवड़ी बाटना नही। आजादी के अमृतकाल के बाद भी यदि सरकार जनकल्याण के नाम पर मुफ्त की रेवड़ी बाट रही है तो यह देश का दुर्भाग्य है सरकार वास्तव में अगर जनकल्याण करना चाहती है तो अपने देश की जनता को सक्षम बनाए ताकि वो मेहनत करके आगे बढ़ सके। मेहनत की रूखी-सुखी रोटी भी खैरात की दावत से बेहतर होती है। मुफ्त की रेवड़ी आम जनता को निकम्मा बनाती है। जबकि मेहनत आदमी को शान से जीना सीखाती है। इसलिए सरकार को जनकल्याणकारी योजना के नाम पर मुफ्त की रेवड़ी नही बल्कि रोजगार मूलक योजना बनानी चाहिए।

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल विपक्ष को कर रहे एकजुट

मुम्बई, एजेंसी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान, केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सेवाओं के नियंत्रण से जुड़े केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) की लड़ाई में उद्धव का समर्थन मांगा।

उद्धव से मुलाकात के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, 'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा तथा दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी भी केजरीवाल के साथ थीं। केजरीवाल ने बुधवार को ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार से भी मिलकर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ 'आप' की लड़ाई में उनका समर्थन मांगा।

इस अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी दलों का समर्थन जुटाने के लिए देशभर की यात्रा के तहत केजरीवाल और मान ने मंगलवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की थी। केंद्र सरकार भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और दानिक्स कैडर के अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने के वास्ते 19 मई को एक अध्यादेश लेकर आई थी। इससे एक हफ्ते पहले ही उच्चतम न्यायालय ने पुलिस, लोक सेवा और भूमि से संबंधित विषयों को छोड़कर बाकी सभी मामलों में सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली की चुनी हुई सरकार को सौंप दिया था। किसी अध्यादेश को छह महीने के भीतर संसद की मंजूरी मिलना आवश्यक होता है। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार संसद के मानसून सत्र में इस अध्यादेश से संबंधित विधेयक पेश कर सकती है।

असम-मेघालय के मुख्यमंत्री सीमा विवाद पर करेंगे चर्चा

गुवाहाटी, एजेंसी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनके मेघालय समकक्ष कोनराड संगमा मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात का मकसद दोनों राज्यों के बीच 6 शेष क्षेत्रों में सीमा विवाद को हल करने को लेकर चर्चा करना है।अधिकारियों ने जानकारी दी कि, दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा सद्भावना के तौर पर विवादित क्षेत्रों का दौरा करने की भी संभावना है।

मेघालय को 1972 में असम से एक अलग राज्य के रूप में बनाया गया था और इसने असम पुनर्गठन अधिनियम 1971 को चुनौती दी थी, जिससे दोनों राज्यों के बीच 884.9 किलोमीटर लंबी सीमा के 12 क्षेत्रों में विवाद पैदा हो गया था।

सरमा ने मई 2021 में मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद घोषणा की थी कि उनकी प्राथमिकता पड़ोसी राज्यों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाना है।

2021 में हुआ था तीन समितियों का गठन

इसके बाद, मुद्दों को चरणबद्ध तरीके से हल करने के लिए अगस्त 2021 में तीन क्षेत्रीय समितियों का गठन किया गया था। क्षेत्रीय समितियों ने अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं जो दो मुख्यमंत्रियों द्वारा नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपी गईं, जिसके बाद 29 मार्च 2022 को 12 क्षेत्रों में से 6 विवादों को हल करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौते के अनुसार, पहले चरण में निपटारे के लिए 36.79 वर्ग किलोमीटर विवादित क्षेत्र लिया गया था, जिसमें असम को 18.51 वर्ग किलोमीटर और मेघालय को 18.28 वर्ग किलोमीटर भूमि पर पूर्ण नियंत्रण मिला था।

हथियार और गोला बारूद के साथ तीन लोगों को सेना ने किया गिरफ्तार

इम्फाल, एएनआई। मणिपुर में सेना ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। दरअसल, सेनापति जिले के कांगचुप तिंगखोंग जंक्शन पर व्हीकल चेक पोस्ट पर भारतीय सेना ने बदमाशों के मनसूबों को नाकाम कर दिया है। उन्होंने चेकिंग के दौरान वहां से गुजरने वाली एक कार को रोका और उसमें से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। साथ ही उन्होंने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों से मिले इनपुट के आधार पर भारतीय सेना की स्पीयर कॉर्प्स ने मोबाइल व्हीकल चेक पोस्ट पर मारुति ऑल्टो को रोका गया था। सेना ने चेकिंग के दौरान 5 शॉटगन, 5 इंप्रोवाइज्ड लोकल ग्रेनेड और शॉटगन गोला बारूद के तीन कार्टन बरामद किए हैं। साथ ही गाड़ी में सवार तीन लोगों को धर-दबोचा है। सेना ने तीनों संदिग्धों से हथियार जब्त कर उन्हें पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, उन्होंने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

ममता का बुलडोजर चढ़ गया टीएमसी के ऑफिस पर

कलकत्ता। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाद पश्चिम बंगाल में अब सीएम ममता बेनर्जी का बुलडोजर निकला है। मगर, यहां तो सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक ऑफिस को ही बुलडोजर से गिरा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, मुर्शिदाबाद जिले में जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को टीएमसी के 'अवैध कार्यालय' को ढहाया गया। ममता की पार्टी का यह दफ्तर जिले के बरुआ इलाके में बनाया गया था। कहा जा रहा है कि, यह ऐसी पहली घटना है जब बंगाल में बुलडोजर से टीएमसी के किसी कार्यालय को तोड़ा गया है।

कलकत्ता हाई कोर्ट की ओर से हाल ही में इसे लेकर एक आदेश पारित हुआ था, जिसमें जिला प्रशासन को टीएमसी पार्टी ऑफिस को गिराने का निर्देश दिया गया। टीएमसी के दफ्तर को आज जब गिराया तब मौके पर जिलाधिकारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी मौजूद थे। ऑफिसर्स ने अवैध कार्यालय को जेसीबी से गिराने का आदेश सुनाया। मौके पर टीएमसी के कुछ कार्यकर्ता भी पहुंचे हुए थे। उन्होंने अधिकारियों से पार्टी ऑफिस नहीं तोड़ने की अपील की। हालांकि, जिला प्रशासन ने एचसी के आदेश के तहत इस काम को अंजाम दिया।

संसद संवैधानिक मूल्यों से बनती है, अहंकार की ईंटों से नहीं- राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई संसद भवन के उद्धाटन विवाद में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर फिर हमला बोला है और कहा है कि, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से संसद भवन का उद्धाटन न करवाना और न ही उन्हें समारोह में बुलाना, देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है। गांधी ने कहा, संसद अहंकार की ईंटों से नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों से बनती है।

उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस, वामपंथी, आप और टीएमसी सहित 19 विपक्षी दलों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नए संसद परिसर के उद्धाटन का बहिष्कार की घोषणा के बाद आई है। उनका कहना है कि, जब लोकतंत्र की आत्मा को संसद से ही चूस लिया गया है तो ऐसे में नई संसद भवन का कोई महत्व नहीं रलह जाता है।

बता दे कि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्धाटन करेंगे। विपक्षी दलों ने कहा है कि, राष्ट्रपति न केवल भारत में राज्य का प्रमुख होते हैं, बल्कि संसद के एक अभिन्न अंग भी होते हैं क्योंकि वह संसद सत्र बुलाते हैं, सत्रावसान करते हैं और उसे संबोधित भी करते हैं। इसलिए, विपक्षी दलों ने तर्क दिया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ही नई संसद भवन का उद्धाटन करना चाहिए न कि पीएम मोदी को।

कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में कांग्रेस के पूर्व उप नेता आनंद शर्मा ने कहा है कि, प्रधानमंत्री मोदी के लिए संसद के नए भवन का उद्धाटन करना संवैधानिक रूप से सही नहीं होगा। उन्होंने सवाल उाया कि इसकी क्या जरूरत है? क्या किसी बड़े लोकतंत्र ने ऐसा नहीं किया है?

चुनाव में कांग्रेस का नहीं होगा कोई चेहरा, जनता के मुद्दों पर लड़ेंगे चुनाव

भोपाल।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में शानदार जीत से उत्साहित कांग्रेस ने एक बड़ा फैसला लिया है। कांग्रेस ने कहा कि, वह मध्य प्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव किसी चेहरे को सामने रख कर नहीं वरन अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लोगों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर लड़ेगी। भाजपा शासित मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव साल के अंत में होने वाले हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने एक सवाल के जवाब में यह बात कही।

पवन खेड़ा ने कहा कि, मध्य प्रदेश में अगली सरकार 'चोरी की सरकार' नहीं होगी। हम चुनाव जीतकर सत्ता में आएंगे। हम मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ेंगे। आप (मीडिया) चेहरे के आधार पर चुनाव क्यों चाहते हैं। एआईसीसी की सोशल मीडिया टीम की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत के साथ पहुंचे खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह कहा। उन्होंने कहा कि, मुद्दे मध्य प्रदेश की जनता की प्राथमिकता के होंगे न कि कांग्रेस के...।

पवन खेड़ा ने कहा कि, राहुल गांधी ने कि अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की पदयात्रा में मध्य प्रदेश के लोगों के साथ कई बार बातचीत की। इसमें महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दे थे। जनता राजनीतिक दलों से उन मुद्दों को उठाने की उम्मीद करती है जो उसको परेशान करते हैं। पवन खेड़ा ने कहा कि, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान जो मुद्दे थे, वे अब और गंभीर हो गए हैं।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि, 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान देश के लोगों ने यह संदेश दिया कि वे एक ऐसा नेता चाहते हैं जो उनकी बात सुने। लोग चाहते हैं कि उनका नेता अपने 'मन की बात' को जनता पर न थोपे। मध्य प्रदेश में अब तक कांग्रेस की ओर से की गई सभी चुनावी घोषणाएं 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान जनता की प्रतिक्रियाओं पर आधारित हैं।

साथ ही आपको बताते चले कि, मध्य प्रदेश के कद्दावर नेता दिग्विजय सिंह बार-बार कहते रहे हैं कि सूबे में होने वाले चुनावों में सीएम पद का चेहरा तो कमलनाथ ही होंगे।

समान कार्य, समान वेतन ना होने से पटवारी संघ ने दिया ज्ञापन

24 घंटे का अल्टीमेटम

माही की गूंज, थांदला।

मध्यप्रदेश पटवारी संघ इकाई थांदला द्वारा स्थानीय तहसील कार्यालय पर नायब तहसीलदार अजय चौहान को एक ज्ञापन दिया गया, जिसमे स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि 4 मई को जो पटवारीयो पर कार्यवाही की गई थी वो पूर्णरूपेन् गलत होकर शासन के विरुद्ध की गई थी उस कार्यवाही को वापस लिया जाये। वही समान कार्य, समान वेतन का बोझ होने एवम् अन्य विधिक व्यावहारिक कारणों से प्रदेश में अब कोई भी पटवारी द्वारा सीमांकन का कार्य नही किया जावेगा। प्रदेश सरकार द्वारा जब तक समान वेतन समान कार्य के तहत 2800 की ग्रेड के आधार पर वेतन की विसंगतियां दूर करते हुए समस्त पटवारियों को 2800 ग्रेड पे दी जावे। चुकी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने से पटवारी के पास संसाधन की कमी है व विशेष अभियान अंतर्गत नियुक्त 500 राजस्व निरीक्षकों द्वारा सीमांकन कार्य नही किए जाने से पटवारी पर अत्यधिक कार्य की मंजूरी, संसाधन एवम् नेट भत्ता प्रदान करने, महंगाई के अनुरूप स्टेशनरी भत्ता, अतिरिक्त हल्के के प्रभार का मानदेय में बढोतरी करने, मुख्यालय निवास की बाध्यता समाप्त करने, बिना विभागीय जांच के प्राथमिकी एफआईआर दर्ज ना करने की मांग, पूर्व कार्यवाही को निरस्त नही करेगे तब तक पटवारी का प्रदर्शन जारी रहेगा। क्योंकि कुछ जिले में जिला प्रशासन द्वारा पटवारियों पर झूठे केस कर असत्य जानकारी प्रदेश शासन को भेजी थी। जिसकी वजह से अनेकों पटवारियों पर कार्यवाही की गई थी, ये कार्यवाही जिला प्रशासन ने अपनी वाह-वाही लूटने, गलत आंकड़े पेशकर के प्रदेश सरकार की इज्जत धूमिल करने की साजिश की थी। जबकि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा आमजन को सुविधा प्रदान करने हेतु यह अभियान चलाया गया था, किंतु अन्य जिला प्रशासन द्वारा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए इस अभियान में पलीता लगाया गया था, जो की मुख्यमंत्री की मंशा के विपरीत है। जिला प्रशासन के उक्त कृत्य से शासन की छवि धूमिल हुई है।

स्थानीय पटवारी संघ ने जिला प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेताया है कि, इस दौरान पूर्व की समस्त कार्यवाहि वापस नही ली गई, तो मध्यप्रदेश पटवारी संघ के निर्णय अनुसार प्रदेश के समस्त पटवारी 24 मई से 26 मई तक 3 दिवसीय सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। 27, 28 को शासकीय अवकाश होने से दिनांक 29 को ही अपने कर्तव्य स्थल पर पहुंचेंगे एवम् कार्य स्थल पर अन्य कार्यों को बंद करने पर भी विवश हो सकते है जिसकी पूर्णरूपेन जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी।

ज्ञापन देने में अध्यक्ष मध्यप्रदेश पटवारी संघ इकाई थांदला के मलसिंह डामोर, मोहम्मद असरफ, श्यामसिंह मेड़ा, गोविंदनायक, मंसूर खान, रवि बेनल, जोसफ डामर, नईम खान, महिला पटवारी आरती धुर्वे, ज्योति डुडवे सहित अन्य पटवारी गण मौजूद थे।

हथियारबंद बदमाशों ने चोरी की नियत से परिवार के सदस्यों पर किया हमला

माही की गूंज, अमझेरा।

समीपस्थ ग्राम सुल्तानपुर में चोर-बदमाशो का लगातार आंतक बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण ग्रामिणजनों में भय व्याप्त है। सोमवार की रात्री रूद्रप्रतापसिंह पुत्र सुमेरसिंह सिसोदिया के घर पर 8 से 10 हथियारबंद बदमाशो ने चोरी की नियत से हमला कर दिया लेकिन परिजनों के जागने से वे अपने मंसुबो में कामयाब नहीं हो पाये, तो बदमाशो ने उन्हे हथियारों का डर बताते हुए पथराव कर दिया, लेकिन परिजनों ने भी हिम्मत और साहस का परिचय देते हुए बदमाशों से मुकाबला किया तथा बदमाशों से आमना-सामना भी हुआ। परिजनों ने भी बचाव में बदमाशो पर पत्थर फेके जिससे बदमाश वहॉ से भाग निकले। बदमाशो के द्वारा किये गये पथराव में रूद्रप्रतापसिंह, उनकी बहन बिंदीया जादोन, उनकी माता शिवकुँवर एवं पत्नि ज्योतिकुँवर को हाथ, पीठ व सिर में चोट लगी है।

रूद्रप्रतापसिंह ने बताया कि, बदमाश अपने साथ हथियार के रूप में फालिये लेकर आये थे जिनकी संख्या 8 से 10 थी। घटना की जानकारी अमझेरा पुलिस को देने पर मंगलवार की सुबह एसआई संदीपसिंह बैस मौके पर पहुंचे एवं परिजनों से घटना की जानकारी लेकर मामले की जांच में जुट गये। उल्लेखनिय है, पूर्व में भी यहॉ नवंबर 2022 में माता जी के मंदिर एवं भगवानसिंह रघुवंशी के यहॉ चोरी की घटना को चोर-बदमाशो के द्वारा अनजाम दिया गया था। जिसमें लाखों रू. के मंदिर के आभुषण एवं नगदी चोरी कर लिये गये थे, वहीं ग्राम बांदेड़ी में भी मंदिर से लाखो रू. की चोरी की घटना घट चुकी है, जिसका अभी तक अमझेरा पुलिस खुलासा नहीं कर पाई है।

विद्युत विभाग की लापरवाही: बड़ा हादसा टला

माही की गूंज, करवड़।

पेटलावद विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत करवड़ में विगत दिनों विद्युत विभाग की एक बड़ी लापरवाही देंखने को मिली, जिससे एक मासूम की जान पर बन आई। गांव के राधेश्याम प्रजापत की पुत्री पायल प्रजापत (11) अपने घर के ऊपर की छत पर कुछ काम करने के लिए अपने छत पर जा रही थी, तभी अचानक पायल का सर छत के ऊपर से जा रही 11 केवी लाइन से टकरा जाने के कारण पायल करंट से झुलस गई। समय रहते घर के आस-पास के लोगों के द्वारा जेसे-तेसे पायल को करंट से छुड़वाया। जिसके पश्चात पायल को पेटलावद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया, वहां डॉक्टरों के द्वारा प्राथमिक उपचार कर बड़ौदा रेफर किया।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

विभाग और कर्मचारियों की लापरवाही के चलते दुर्घटना होने जैसे स्थानों पर ध्यान नहीं दिया जाता है। लगभग दो माह पूर्व भाजपा नेता प्रेम सिंह गहलोत को भी 11 केवी लाइन से करंट लगने के बाद मृत्यु हो गई थी। ऐसा ही मामला ग्राम सेमलपाड़ा में भी अपनी मोटर बंद करने गया किसान को करंट लगने से ही मौत हो गई।

गांव के लोगों का कहना है कि विद्युत विभाग की 11 केवी लाइन घर की छत से दूर होकर निकाली जाए। यह 11 केवी लाइन पास में बीएसएनल टावर पर जा रही है इस लाइन को घरों से दूर निकाला जाए। समय रहते सुधार नही होता है तो विद्युत विभाग की लापरवाही का खामियाजा जान गवा चुकाना पड़ेगा।

भोला भंडारा परिवार का लगेगा अमरनाथ में 22 वॉं लंगर

माही की गूंज, थांदला/झाबुआ

भूखे को भोजन प्यासें को पानी जय बाबा बर्फानी के जयकारे के साथ बम-बम भोलें करते भोला भंडारा परिवार दाहोद/झाबुआ द्वारा विश्व प्रसिद्ध अमरनाथ यात्रा के दौरान सभी दर्शनार्थियों की सेवा हेतु चंदनवाड़ी के प्लॉट नम्बर 3 पर निःशुल्क भंडारे की व्यवस्था करता है। यहां अंचल के भोलें भक्तों के आवास की व्यवस्था भी की जाती है। 1 जुलाई से 30 अगस्त तक चलने वाली इस धार्मिक यात्रा में स्थानीय भोलें भक्त आर्थिक सहयोग के साथ ही रसद आटा, दाल, चावल, रवा, सूजी, खाद्य तेल, घी, शक्कर, चायपत्ती, टोस्ट, बिस्किट, चॉकलेट, कंबल इत्यादि वस्तुएं भी दान कर सकते है। धार्मिक अनुष्ठान में आपके द्वारा दिया गया अल्प सहयोग भी आपको सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करेगा, वही हमारा हौसला भी बढ़ाएगा। आप दान राशि व रसद के लिए भोला भंडारा परिवार के सदस्य श्रीमंत अरोरा 997779668, आत्माराम शर्मा 9425486488, मनोहर दास चौहान 9926488668, मनोज उपाध्याय 7697811001, सुधीर शर्मा 9977935143, मनीष वाघेला 9926626650, मनीष जैन 930321852, महेश नागर 9425705655, विनोद नागर (सेठी) 9425945124, नीरज सोलंकी 942548618, प्रकाश भाई सोनी 744031819, दिनेश चतुर्वेदी 786934602, राजु धानक 9630943870, तुलसी मेहते 6260484853, चिंटू वैरागी 8827635661, गोपाल चोयल 9575133635, आदि से सम्पर्क कर सकते है। उल्लेखनीय है दाहोद विक्की भैया के नेतृत्व में भोला भंडारा परिवार भोलें भक्तों की हर प्रकार की सहायता के लिए तैयार रहता है। प्रतिवर्षानुसार अमरनाथ यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व पिपलखूटा के महंत 1008 दयारामदासजी महाराज व अन्य संतों के सानिध्य में दाहोद में भगवान भोलें की महाआरती कर सामग्री से भरा ट्रक रवाना करवाया जाता है, जिसमें अंचल के भोला भंडारा परिवार के सदस्य व दानदाता भी शामिल होते है।

घटिया सड़क निर्माण: अधिकारी मौन

माही की गूंज, मेघनगर।

औद्योगिक नगरी व रेलवे के प्रमुख द्वार मेघनगर में इन दिनों चाय में से मक्खी निगलने की काफी चर्चा हो रही है। चर्चा में बताते है कि, करोड़ों के सड़क निर्माण में संबंधित अधिकारियों की मौन स्वीकृति के चलते घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर ठेकेदार चांदी काट रहा है। चर्चा में यह भी बताते है कि ,ठेकेदार तय मानक के तहत सड़क का निर्माण नहीं कर रहा है, मुनाफे के चक्कर में घटिया माल का उपयोग कर अपनी जेब भरने में लगा है। सड़क पूरी बनने से पहले उखड़ने लग गई है। उच्च अधिकारियों द्वारा सड़क निर्माण की एक बार भी जांच नहीं की गई। जिसके कारण ठेकेदार अपनी मनमर्जी से सड़क का निर्माण कर रहा है।

लंबे इंतजार के बाद रोड बनाने का काम शुरू किया गया लेकिन निर्माण से पूर्व ही सड़क उखड़ने लगी है। अगर ऐसी सामग्री का उपयोग किया गया तो सड़क कुछ महीने भी नहीं चलेगी। वही चर्चा में यह भी बताते है कि, संबंधित विभागीय अधिकारी ठेकेदार के साथ मिलीभगत कर चाई में से चुप चाप मक्खी निगलने का काम कर रहा है पर साहब ये तो पब्लिक है सब जानती है।

प्यासे कंठों को मिलेगी राहत, लोगों को नसीब होगी छाव, अस्थाई यात्री प्रतीक्षालय का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, पेटलावद।

वर्षो से स्थाई बस स्टैंड को लेकर लोगो को सरकार से उम्मीदे है लेकिन जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते आज तक नगर को ये सौगात नही मिली, जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ता है खासकर बारिश और चिलचिलाती गर्मी में जब यहां से यात्रा करने वाले हजारो यात्रियों को बैठने और पीने का पानी तक नसीब नही होता और परेशान होकर इधर-उधर भटकना पड़ता है। ऐसे में हिन्दू जागरण मंच की नगर इकाई के द्वारा सेवा ही संकल्प है कि, थीम पर बुधवार को भीषण गर्मी को देखते हुए यहां पर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए अस्थाई रूप से टेंट लगाकर छांव की व्यवस्था की इसी के साथ ठंडा पेयजल भी यहां आन- जाने वाले यात्रियों को मिलेगा। साथ ही अस्थाई यात्री प्रतिक्षालय बनाया गया है और सीमेंट की कुर्सीया रखी गई जिस पर आने-जाने वाले यात्री बैठकर कुछ राहत महसूस कर सके। हालांकि ये व्यवस्था स्थानीय प्रशासन एवं स्थानीय एजेंसी को काफी पहले कर देनी थी, लेकिन ऐसे कार्यो पर इनका कोई ध्यान नही है। हिन्दू जागरण मंच के इस कार्य की काफी सराहना हो रही है। उद्घाटन के अवसर पर अतिथि के रूप में थाना प्रभारी राजू सिंह बघेल और जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी यहां पहुंचे और उन्होंने अस्थाई यात्री प्रतिक्षालय का शुभारंभ किया गया। उक्त आयोजन सेवा भाव के हिसाब से हिंदू जागरण मंच के बैनर तले किया गया है। जहां पर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में यहां पर अस्थाई यात्री प्रतिक्षालय बनाया गया। प्रियंका आरओ वाटर सप्लायर की और से निशुल्क पानी की व्यवस्था की गई है।

राजपूत समाज द्वारा मनाई गई महाराणा प्रताप की जयंती

माही की गूंज, पेटलावद।

वीर शिरोमणि राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर पेटलावद में सकल राजपूत समाज एवं समस्त राजपूत संगठनों द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सभी समाजजनों द्वारा महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं दीप प्रज्वलित किया गया। वही समाजजनों द्वारा महाराणा प्रताप के जयकारे लगाए गए। कार्यक्रम पश्चात बैठकर आगामी दिनों में एक भव्य आयोजन को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर लालसिंह चोहान, जीवन ठाकुर, देवेंद्र सिंह गौड़, शान ठाकुर, संजय सिंह चौहान, बब्बल बन्ना, कर्मेन्द्र सिंह चावड़ा, शैलेंद्र सिंह गौड़, संजय परिहार, सोमेंद्र सिंह गोड़ आदि समाजजन मौजूद रहे।

खेड़ापति हनुमान मंदिर प्रांगण पर राम कथा का आयोजन

माही की गूंज, सारंगी।

प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी खेड़ापति हनुमान मंदिर प्रांगण पर आज से 2 जून शुक्रवार तक पंडित मयंक शर्मा के मुखारविंद से श्री रामकथा सुनाई जावेगी। प्रतिदिन सुबह 9 बजे से राम कथा प्रारंभ होगी, रामकथा में पंडित जी द्वारा राम जन्म से लेकर रावण दहन, वनवास एवं अयोध्या आने एवं राजतिलक का प्रसंग सुनाया जाएगा। प्रथम दिन खेड़ापति हनुमान जी का श्रृंगार, भव्य कलश यात्रा एवं स्थापना पूजन करने के बाद राम कथा प्रारंभ की जाएगी। कलश यात्रा सुबह 8 बजे मंदिर प्रांगण से शुरू होकर पूरे नगर में भ्रमण कर मंदिर प्रांगण पर पहुंचेगी। इस आयोजन की संपूर्ण तैयारियां समिति द्वारा कर दी गई है। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि, राम कथा पूर्ण होने पर 2 जून को पंच कुंडी यज्ञ का आयोजन किया जावेगा। साथ ही प्रतिदिन भजन कीर्तन होने के बाद आरती एवं प्रसादी का वितरण किया जाएगा। ग्राम एवं आसपास क्षेत्र के सभी भक्तों से भाव पूर्ण निवेदन है कि राम कथा मैं पधार कर भव्य आयोजन को सफल बना कर धर्म लाभ लेवे।

आखिर कब मिलेगी अतिक्रमण से निजात...

माही की गूंज, काकनवानी।

आए दिन बाजार में ओवर लोडिंग वाहन इस प्रकार से फस जाते हैं की दोपहिया तो ठीक पैदल यात्री भी नहीं निकल सकता है। बाजार में मुख्य मार्ग पर मार्ग के दोनों और अतिक्रमण कर छज्जे बना रखें, जिस कारण चार पहिया वाहन आमने-सामने क्रॉस नहीं हो पा रहे हैं। इन दिनों मवेशियों के लिए भूसा भरकर बड़े-बड़े ट्राले ओवरलोडिंग होकर बाजार में निकल रहे हैं जिससे कई दिक्कत आ रही है। वाहन से भी पांच 5 फीट दोनों साइड भूसा भरा होता है जो कि पूरा बाहर साइट लटका हुआ रहता है और बाजार में जैसे ही गाड़ी निकलती है तो कहीं ना कहीं अटक ही जाती है। ऐसे में सामने से भी अगर बड़ा वाहन या दो पहिया वाहन आ जाता है तो बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और पूरा रोड जाम हो जाता है और कई बार बिजली के खंभों पर भी टच होते हुए वाहन निकलते हैं जिससे बाजार में बड़ा हादसा होने का भी डर बना रहता है। बिजली के तार नीचे होने के कारण कई बार पहले घास से भरे ट्रैक्टरों में आग भी लग चुकी है इन ओवरलोडिंग वाहनों को ना कोई रोकता है ना कोई टोकता है जिस कारण बेखौफ होकर यह वाहन बाजार के मुख्य मार्ग से होकर गुजरते हैं। जब तक वाहन बाजार से गुजर ना जाए तब तक बाजार वालों को सुकून नहीं मिलता है ऐसे लोडिंग वाहन बाजार में रोजाना देखने को मिलते हैं जो दूर से विशाल पहाड़ जैसा दिखता है।

यहां वाहन कई जगह पुलिस चेकिंग, आरटीओ से गुजर कर आते है। लेकिन उन्हें ओवर लोडिंग ना भरने की सलाह कोई देता है ना उन पर कोई कार्यवाही होती है।

भ्रष्टाचार रूकने का नाम नही ले रहा....

निर्माण कार्यों में हो रही अनियमितता व भ्रष्टाचार की दर्ज करवाई शिकायत, जांच में दोषी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

जनपद पंचायत पेटलावद के अन्तरर्गत आने वाली पंचायतों में भ्रष्टचार का बोलबाला है। अच्छे-अच्छे अधिकारी अपने आप को ईमानदार बता कर यहां आते हैं और आते ही फिसड्डी साबित होकर खुद भी भ्रष्टचार की गंगा में गोते लगाने लग जाते हैं।

मंगलवार को जनसुनवाई में झाबुआ पहुचकर ग्रामीण रूमला बाबू सिंगाड और धर्मेंद्र नारू भूरिया ने लिखित शिकायत पेश कर ग्राम पंचायत के कार्यो में हो रही अनियमिता की शिकायत दर्ज करवाई। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि, ग्राम पंचायत मोहनकोट में हो रहा निर्माण कार्यों में सरपंच, सचिव, उपयंत्री, रोजगार सहायक सभी मिलकरं हो रहे निर्माण कार्यों में खुलेआम अनिमितता व भ्रष्टाचार कर रहे और अमानक घटिया सामग्री लाकर निर्माण कार्य कर रहे हैं। जिसकी जांच के लिए जाच समिति बनाकर सामग्री की जांच की जाए, हुए निर्माण कार्यों की भौतिक, मौखिक, दस्तावेजीकरण की जाए दोषीयों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए। शिक़ायतकर्ता ने आवेदन में बताया कि, कराड वाली नाकी निस्तार तालाब 2011-2012 में उपयंत्री गुप्ता के द्वारा बनाया गया था उसी तालाब को जेसीबी लगाकर तोड़ा गया व उसी पर दूसरा निस्तार तालाब का निर्माण कर रहे है। बबुल वाली नाकी निस्तार तालाब मोरझरिया में टीएस किया गया जिनका कई मस्टर जारी हो चुके लेकिन बबुल वाली नाकी पर धरातल पर कार्य कुछ भी नहीं हुआ है। मोरझरिया में शमशान घाट का जो निर्माण हुआ है वो भी आधा अधुरा पड़ा और आई सेक्सन गाडर नहीं लगाई गई व हल्के पाईप लगा दिये गए और उसका मूल्यांकन करके सभी राशि आहरण कर ली गई। ग्राम मोरझरिया में सी.सी. रोड का निर्माण किया गया वो भी घटिया सामग्री लगाकर बनाया गया वो भी हाईड व लेवल से नहीं बनाया गया, बिल लगा कर राशि आहरण कर ली। नाडेप वर नाली का भी निर्माण करा उसी में भी घटिया सामग्री रेत की जगह डस्ट का उपयोग करके रेत का बिल लगाकर राशि आहरण कर ली उसकी भी जांच की जाए। प्रकोलन टैक पर ट्रैक्टरो द्वारा काम नहीं किया गया फिर भी हर जगह से 87 हजार रू का फर्जी बिल लगाकर राशि का आहरण कर लिया गया । पंच परमेश्वर योजना 2022-23, 2023-24 की राशि फर्जी बिल लगाकर जितनी भी आहरण की गई उसकी भी जांच की जाए।

निर्माण कार्य पर कोई नही जिम्मेदार, बाल मजदूरों से करवाया जा रहा कार्य

शिकायत में बताया गया कि, वर्तमान में जो निर्माण कार्य चल रहा वहां पर कोई भी जिम्मेदार अधिकारी साईड पर नहीं रहते व मस्टर उपलब्ध रहता है व बाल मजदूरो द्वारा काम करवाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर को आवेदन पेश कर इन सभी बिन्दुओं पर गम्भीरता से लेने व सभी की जांच की मांग की है।

बोडायता पंचायत पर फिलहाल नही हुई कोई उचित कार्रवाई

इधर ग्राम पंचायत बोडायता में पुराने कार्यो में भारी भ्रष्टचार को लेकर की गई शिकायत पर कोई बड़ी कार्यवाही नही हुई और जांच के नाम पर मामले को घुमाया जा रहा है। पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में हुए भ्रष्टचार की कई शिकायतो के प्रमाणीत होने के बाद भी कोई कानूनी कार्यवाही नही हुई।

आगामी विधानसभा को लेकर बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत में करने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इन प्रयासों में भाजपा द्वारा बूथ स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को मजबूत बनाना और माइक्रोमैनेजमेंट पर जोर दिया जा रहा है। चुनाव की तैयारियों को लेकर बुधवार को थांदला के 6 मंडल की बैठक नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण में रखी गई। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल, अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाबर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष भानु भूरिया, अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष अजमेर सिंह भूरिया, जिला उपाध्यक्ष जालम डामोर, वरिष्ठ नेता श्याम ताहेड, विधानसभा पूर्णकालिक ओमप्रकाश दया आदि ने संबोधित करते हुए कहा कि, प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति और गरीब तबके के लोगों के लिए विभिन्न जनहितकारी योजनाएं चलाई है। इन योजनाओं को हमें घर-घर तक ले जाना होगा।

कार्यक्रम में नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष बंटी डामोर, महामंत्री सुनील पणदा, महामंत्री नरसिंह भाबर, अजजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुरेश बिलवाल, मोहन सिंगड़, लालचंद देओल, धर्मेंद्र ठाकुर, विलियम भाबर, जवसिंह परमार सहित सरपंचगण, भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा के युवा नेता संजय भाबर द्वारा किया गया। आभार अजजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुरेश बिलवाल ने माना।

भाजपा मंडल कार्य समिति की बैठक सम्पन्न

30 मई से 30 जुन तक महासंपर्क अभियान

माही की गूंज ,सारंगी।

भारतीय जनता पार्टी मंडल सारंगी में मंडल कार्य समिति की बैठक का आयोजन पाटीदार धर्मशाला में आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित अतिथियों ने मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक की शुरुआत की गई, महासंपर्क अभियान 30 मई से 30 जुन तक चलेगा। वही रिती-निती के बारे में चर्चा की ओर बारी-बारी से उपस्थिति अतिथियों ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया ओर अपने बुथ को मजबूती के साथ जीत दर्ज करने की बात कही और शेष बची हुई बुथ या पन्ना समितियों को जल्द पुरा करने की बात कही। भाजपा के वरिष्ठ जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं उपस्थित रहे।

पंचायत निर्वाचन के लिए रिटर्निंग व सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश पंचायत अधिनियम, 1993 की धारा-42, सहपठित मध्यप्रदेश निर्वाचन नियम, 1995 के 20 तथा 21 (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला झाबुआ सुश्री तन्वी हुड्डा मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के आदेश क्रमांक एफ (तीन)-96-306 22 जनवरी 1996 तथा एफ (तीन)-96-1630 दिनांक 14 मई 1996 तथा एफ (तीन)-96-406 31 मार्च 1996 में पंचायतो के निर्वाचन के लिए पदाभिहित अधिकारियों को रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को नियुक्त किया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री तन्वी हुड्डा एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अपर कलेक्टर श्री एस.एस. मुजाल्दा द्वारा वार्ड 9 के अधिकार क्षेत्र जिसमें सुजापुरा, सागिया, चापानेर, देवगढ, खवासा, भामल, परवाडा, रत्नी, रतनाली, पाटडी, मकोडिया, नरसिंहपाडा, सेमलियानारेला, नारेला, धुमडिया, भैरूगढ, नहारपुरा, कुकडीपाडा नौगावानगला, तलावडा में जिला पंचायत सदस्य के स्थान को भरने के लिए न्यायालय कलेक्टर जिला झाबुआ में निर्देशन पत्र लिए जाएगें।

रिटर्निंग ऑफिसर प्रभारी तहसीलदार आशीष राठौर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नायब तहसीलदार जितेन्द्र सोलंकी द्वारा वार्ड क्रमांक 9 के अधिकार क्षेत्र जिसमें ग्राम चौरा ग्राम पंचायत ढेकल छोटी में ग्राम पंचायत के पंच के स्थान को भरने के लिए कार्यालय तहसीलदार तहसील झाबुआ में निर्देशन पत्र लिए जाएगे।

रिटर्निंग ऑफिसर प्रभारी तहसीलदार मेघनगर सुश्री परवीन बानो एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नायब तहसीलदार सोनू गोयल वार्ड क्रमांक 8 के अधिकार क्षेत्र जिसमें ग्राम कचलदरा ग्राम पंचायत कचलदरा में ग्राम पंचायत के पंच के स्थान को भरने के लिए कार्यालय तहसीलदार तहसील मेघनगर में निर्देशन पत्र लिए जाएगे। रिटर्निंग ऑफिसर प्रभारी तहसीलदार थान्दला अजय चौहान एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर उपयंत्री जनपद पंचायत थांदला एमके अग्रवाल वार्ड क्रमांक 11 के अधिकार क्षेत्र जिसमें ग्राम छापरी ग्राम पंचायत छापरी में ग्राम पंचायत के पंच के स्थान को भरने के लिए कार्यालय तहसीलदार तहसील थान्दला में निर्देशन पत्र लिए जाएगे।

सीएम जनसेवा अभियान के द्वितीय चरण के लिए हुई वीडियों कान्फ्रेसिंग

माही की गूंज, झाबुआ। मुख्यमंत्री जनसेवा के द्वितीय चरण के संबंध में मंत्रालय भोपाल से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 23 मई को समाधान वीसी के बाद वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभिन्न जिलों में उपस्थित विधायकों से भी अभियान की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान अन्तर्गत चिन्हांकित 67 सेवाओं के जो आवेदन ऑनलाईन या ऑफलाईन संबंधित कार्यालयों में अभियान प्रारंभ होने के पूर्व लंबित हैं, उनका निराकरण इस अभियान के तहत किया जावे तथा प्रत्येक दिन के निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जिन आवेदन-पत्रों में आवश्यक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं, उनकी पूर्ति करवाना भी सुनिश्चित करें। आवेदकों को सहयोग कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाए। प्रदेश में अभियान में प्रगति उत्साह जनक है। यही वातावरण निरंतर बना रहे। ग्राम एवं पंचायत में लगने वाले शिविरों की जानकारी का प्रचार-प्रसार करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि ध्यान दे कि सीएम जनसेवा अभियान की वास्तविक स्थिति क्या है। हमारी कोशिश यही है जो सेवा पात्र व्यक्ति को दी जा सकती है, वो इससे वंचित या अपात्र ना रहे। लाडली बहना योजना की अन्तिम सूची का प्रकाशन 31 मई को किया जाना है एवं 1 जून को स्वीकृती पत्रों का वितरण प्रारम्भ होगा। जिसमें जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेगे। स्वीकृति पत्रों का वितरण सिंगल क्लिक से किया जाएगा। बिजली की आपूर्ति के संबंध में कहा कि यह हमारी ड्यूटी है, कलेक्टर्स की ड्यूटी है कि कार्य सही तरीके से हो। साथ ही अवैध कॉलोनियों को वैध करने हेतु अभियान चलाने को कहा गया। इस दौरान जिले से कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, एडीएम एसएस मुजाल्दा, डिप्टी कलेक्टर आशा परमार संबंधित अधीकारीगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर का आयोजन

माही की गूंज, मेघनगर।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेघनगर में 'मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान द्वितीय चरण के अंतर्गत प्राप्त आवेदनो के निराकरण हेतु एवं दिव्यांगजनो को पात्रतानुसार नवीन विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदाय एवं नवीनीकरण करने हेतु शिविर का आयोजन बीब मेघनगर पर किया गया। जहा ज़िले से विशेषज्ञो की गठित टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर पात्र हितग्राही के दिव्यांगता का प्रमाण पत्र हेतु आवेदन लिए गए और काफी संख्या में दिव्यांग यहां पर पहुंचे। विशेषज्ञों की गठित टीम मेघनगर से डॉक्टर विनोद नायक, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. जीएस अवाश्या, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ संदीप ठाकुर, एमडी मेडिसिन डॉ योगेश अंजनार, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ संदीप चोपड़ा, नाक, कान, गला विशेषज्ञ डॉ केएल पाटीदार के साथ यहा डॉक्टरों की टीम मौजूद रही।

पेट्रोल-डीजल का वितरण सीधे वाहनों में किया जाए

माही की गूंज, झाबुआ।

विभिन्न स्त्रोतों एवं समाचार पत्रों के माध्यम से पाया गया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों/कस्बो में रोड किनारे की दुकानों पर पेट्रोल/डीजल केनों में भर कर रखा रहता है तथा बोतल में खुले रूप से विक्रय किया जाना संज्ञान में आया है। इस संबंध में अपर कलेक्टर द्वारा सभी पेट्रोल पम्पों को पेट्रोल/डीजल का वितरण सीधे वाहनों में किए जाने तथा बोतलों/केनों में पेट्रोल/डीजल का वितरण नही करने के निर्देश दिए।

किशोरियों के लिए यौवन के दौरान शारीरिक परिवर्तन पर चेतना कैंप आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

समग्र शिक्षा अभियान और प्रथम फाउंडेशन के सहयोग से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय करदावाड़ बाड़ी में समर कैंप के आयोजित किया जा रहा है। यह समग्र शिक्षा अभियान और प्रथम फाउंडेशन द्वारा पहली बार की गई पहल है। इस समर कैंप का नाम चेतना है। इस कैंप में एक सौ तीस विद्यार्थियों ने नामांकन कराया है। वे एकल माता-पिता के बच्चे हैं और जो माता-पिता आजीविका के लिए दूसरे स्थान पर जाने वाले हैं उन जैसी परिवार से आते है। यह समर कैंप एक महीने का आवासीय कैंप है। समर कैंप का उद्देश्य जीवन कौशल शिक्षा, आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सामाजिक कौशल प्रदान करना है।

समर कैंप में किशोरियों के लिए यौवन, यौवन के दौरान शारीरिक परिवर्तन पर मिशन महिमा कार्यक्रम के तहत एक सत्र आयोजित किया जाता है। मिशन महिमा कार्यक्रम के अंतर्गत आज के सत्र में 130 बच्चों ने भाग लिया। कहानी कहने और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से युवावस्था, बुनियादी शारीरिक रचना, शारीरिक परिवर्तन (माहवारी की अनुभव), मानसिक परिवर्तन पर ज्ञान का प्रसार किया जाता है।

कलेक्टर ने ली खाद्यान्न वितरण हेतु बैठक

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा आए दिन समाचार पत्रों के माध्यम से खाद्यान्न के संबंध में आ रही शिकायतों के संदर्भ में संबंधित विभागों की बैठक आयोजित की गई। आगामी माह में 7 जून को अन्न उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस हेतु संबंधित अधिकारियों को अधिकतम खाद्यान्न वितरण करने हेतु निर्देशित किया गया है। अन्न उत्सव से पहले हर टीएल में खाद्यान्न वितरण की समीक्षा की जाएगी। सभी फिल्ड अधिकारियों को अन्न उत्सव के दौरान फिल्ड में रहने के निर्देश दिए गए है। इस दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी संजय पाटिल, नागरिक आपूर्ति अधिकारी एवं वेयर हाउस मैनेजर उपस्थित थे।

रोजगार दिवस एवं सिंगल क्लिक हितलाभ कार्यक्रम का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

शासन के निर्देशानुसार 24 मई को रोजगार दिवस एवं सिंगल क्लिक हितलाभ कार्यक्रम के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मुख्यमंत्री द्वारा जिला उमरिया से किया गया। जिला झाबुआ में जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर एसएस. मुझाल्दा, की उपस्थिति में आजीविका भवन झाबुआ में लगभग 80 हितग्राहियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाऐं मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, स्वयं सहायता समूह योजना एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, संत रविदास योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर योजना, भगवान बीरसा मुण्डा योजना, टन्ट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत लक्ष्यों का आवंटन किया गया। विरेन्द्रसिंह इस्क्या महाप्रबंधक द्वारा इच्छूक आवेदकों से ऑनलाईन आवेदन करने की अपील की गई।

कार्यक्रम में सभी स्वरोजगार योजनाओं के 599 प्रकरणों में राशि रूपये 1274.70 लाख की स्वीकृति एवं 238 प्रकरणों में राशि रू. 757.80 लाख का ऋण वितरण में से सांकेतिक रूप से कुल 02 प्रकरणों में 7.00 लाख के डेमोचेक तथा कुल 5 प्रकरणों में राशि रू. 6.20 लाख के स्वीकृत पत्रक हितग्राहियों को बॉटे गए। कार्यक्रम में जिलें की एक इकाई को एमएसएमई प्रोत्साहन योजना अंतर्गत सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि रूपए 1482460/- को अनुदान दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित विरेन्द्रसिंह इस्क्या महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, झाबुआ राजेश कुमार जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, परियोजना अधिकारी एनआरएलएम एवं सहायक संचालक पिछडा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, शहरी विकास विभाग, जिला अत्यावसायी तथा आदिवासी वित्त एवं विकास निगम, नगरपालिका झाबुआ व स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित समस्त अधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन संजीव कुमार जैन, सहाप्रबंधक द्वारा किया गया।

संपादकीय

नोट वापसी नकदी की विश्वसनीयता का प्रश्न

देश के केंद्रीय बैंक द्वारा दो हजार के नोट वापसी की घोषणा के बाद नोटबंदी के तमाम विमर्श फिर चर्चा में हैं। आरबीआई का कहना है कि, जो नोट चलन में हैं वे वैध रहेंगे।

विपक्ष इस फैसले को नोटबंदी की तरह सरकार की विफलता बता रहा है। वहीं सत्तारूढ़ दल के नेता इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक बता रहे हैं और नोटबंदी के बजाय नोट वापसी कह रहे हैं। नोट धारकों को आरबीआई ने तीस सितंबर तक इन्हें अपने बैंक खातों में जमा करने का मौका दिया है। एक बार में बीस हजार तक रुपये जमा कराए जा सकते हैं। दरअसल, 8 नवंबर 2016 में नोटबंदी लागू होने के बाद सरकार ने दो हजार के नोट शुरू किए थे। सरकार की दलील थी कि, पांच सौ और हजार के नोट बंद करने से बढ़ने वाले दबाव कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया था। ऐसे में बाजार में अन्य छोटे नोट जरूरी मात्रा में आने से दो हजार के नोट छापने का मकसद पूरा हो गया था। जिसके चलते केंद्रीय बैंक ने वर्ष 2018-19 से नए दो हजार के नोट छापने बंद कर दिए थे। देश के एटीएम व सामान्य प्रचलन में दो हजार के नोट कम ही नजर आ रहे थे। अब बैंकों द्वारा दो हजार के रुपए में भुगतान पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार की दलील है कि इस कदम से काला धन बाहर आ जायेगा। दलील दी जा रही है कि, इस बड़े नोट का प्रयोग आतंकी गतिविधियों तथा भ्रष्टाचार में किया जा रहा था। वहीं आर्थिक मामलों के जानकार मानते हैं कि जब तक गैर कानूनी कामों पर अंकुश नहीं लगेगा, काले धन का सृजन जारी रहेगा। अवैध काम ही काले धन का सृजन करते हैं। बड़ा नोट बंद करने से उस पर अंकुश संभव नहीं है। वैसे आंकड़े बताते हैं कि बीते वित्तीय वर्ष के समापन तक दो हजार के नोटों का महज दस फीसदी ही प्रचलन में था। ऐसे में कुछ लाख लोगों के पास ही दो हजार के नोट मौजूद हो सकते हैं।

लेकिन यह भी हकीकत है कि, तमाम ऑनलाइन विकल्पों के बावजूद नोट प्रचलन में बढ़ रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि नोटबंदी के समय चलन में मौजूद नकदी के मुकाबले करीब दुगनी नगदी अर्थव्यवस्था में मौजूद है। अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ नकदी की मात्रा भी बढ़ रही है। वैसे दो हजार के नोट को लेकर शुरू से ही आशंका थी कि सरकार इसे बंद कर सकती है। यह बात तब सच हुई जब सरकार ने वर्ष 2018 के बाद इन्हें छापना बंद कर दिया। लेकिन आम लोगों में यह प्रश्न खड़ा किया जा रहा है कि वर्तमान समय में इस बंद करने के निर्णय का औचित्य क्या है। यह भी हकीकत है कि इस फैसले का असर नोटबंदी जैसी ऊहापोह की स्थिति पैदा करने वाला नहीं होगा। नोटबंदी के समय जैसी लंबी कतारें नजर नहीं आएंगी, लेकिन बैंकों के कामकाज पर इसका असर जरूर नजर आएगा। वजह यह भी है कि सरकार ने ये नोट एक निर्धारित अवधि में वापस लेने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर आम लोगों में नोटों की विश्वसनीयता को लेकर सवाल जरूर खड़े होंगे। यही वजह है कि देश में तमाम लोग दो हजार के नोटों से सोना-चांदी खरीदने पर जोर दे रहे हैं। लेकिन यह भी हकीकत है कि नकदी की जरूरत पूरा करने के लिये बड़े नोट रखने वाले छोटे उद्योगों तथा अपनी बचत को बड़े नोट के रूप में रखने वालों को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ेगा। बहरहाल, भले ही इस फैसले का नोटबंदी जैसा परिणाम न हो लेकिन आम आदमी यह विचार जरूर करेगा कि देश में कैश की विश्वसनीयता कितनी है। कुछ दूसरे बड़े नोटों को लेकर भी ऐसे सवाल खड़े कर सकते हैं। जिसका देश के उस असंगठित क्षेत्र के वित्तीय लेन-देन पर प्रतिकूल असर दिख सकता है, जहां अभी भी लेन-देन के लिए नोटों का इस्तेमाल किया जाता है। जो कहीं न कहीं अर्थव्यवस्था के स्वाभाविक प्रवाह पर असर डालता है।

मूल्यों-आदर्शों के प्रतीक बने जनतंत्र के मंदिर

जब हमारे प्रधानमंत्री विदेशों में अपने नेतृत्व को रेखांकित करने- कराने में लगे हुए थे तो देश में उन्हें लेकर एक बेमतलब का विवाद शुरू हो गया था। मुद्दा संसद के नये भवन के उद्घाटन का है। बहुचर्चित नया संसद परिसर लगभग बनकर तैयार है और अब इसे देश को लोकार्पित किया जाना है। लोकसभा के स्पीकर ने उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री को निमंत्रित किया है। विपक्ष का कहना है कि यह कार्य देश के प्रथम नागरिक अर्थात्‌ राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए। यह मांग भी गलत नहीं कही जा सकती, आखिर देश के सर्वोच्च संस्थान के उद्घाटन का मामला है। उधर प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन कराने के पक्षधरों का कहना है कि प्रधानमंत्री देश का सर्वोच्च निर्वाचित नेता होता है और यह नया संसद परिसर तो प्रधानमंत्री मोदी की प्रिय परियोजना है। कोरोना-काल में जब देश के सारे निर्माण-कार्य ठप पड़ गये थे, इस परिसर का काम नहीं रोका गया था, और निर्माण कार्य के दौरान प्रधानमंत्री लगातार इसकी निगरानी कर रहे थे। क्या बुरा है यदि उद्घाटन भी उन्हीं के हाथों हो?

सवाल वाजिब है। पहले भी तो पूर्व प्रधानमंत्री संसद से जुड़े संस्थानों के उद्घाटन करते रहे हैं। 'दूरदर्शन' ने तो राजीव गांधी के हाथों होने वाले ऐसे उद्घाटन की फिल्म भी देश के सामने रख दी है। सच पूछा जाये तो यह विवाद का विषय है ही नहीं। होना ही नहीं चाहिए। पर जिस तरह की राजनीति आज देश में हो रही है, अनावश्यक मुद्दे हथियार बनाये जा रहे हैं। निश्चित रूप से यदि नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होता तो यह अधिक गरिमामय होता। लेकिन आज जो राजनीति हम देख रहे हैं उसमें गरिमा अथवा औचित्य के लिए स्थान ही कहां बचा है। होना तो यह चाहिए था स्वयं प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को इस कार्य के लिए आमंत्रित करते। पर जो होना चाहिए, वह होता कहां है हमारी राजनीति में?

कौन जानता है कि हमारे पुराने संसद-भवन का उद्घाटन किसने किया था? और आवश्यकता भी क्या है ऐसे औपचारिक अवसरों को याद करने या याद रखने की? महत्वपूर्ण संसद-भवन नहीं संसद-भवन के भीतर होने वाली कार्यवाही है। कौन नहीं जानता कि पिछले कुछ सालों में हमारी संसदीय कार्यवाही में लगातार गिरावट आयी है? संसद के भीतर होने वाली बहस का स्तर तो गिरा ही है, अक्सर हमने देखा है कि संसद का बहुमूल्य समय बेबात के विवादों की बलि चढ़ता रहा है। संसद के हर सत्र के बाद इस तरह के आंकड़े प्रस्तुत किये जाते हैं जो यह बताते हैं कि संसद का कितना समय शोर-शराबे

और बहिर्गमन और काम में व्यवधान डालने में बर्बाद होता है। हमारे नेताओं ने तो इस बात की भी वकालत की है कि संसद के काम में रुकावट डालना भी संसदीय कार्य-प्रणाली का हिस्सा है! यहां यह याद करना महत्वपूर्ण होगा कि यह तर्क तत्कालीन विपक्ष के नेताओं ने दिया था। अर्थात्‌ जो भी विपक्ष में होता है, इस तरह के तर्कों का सहारा लेता है।

यह एक संयोग ही है कि जब नये संसद-भवन के उद्घाटन को लेकर देश में विवाद चल रहा है तो देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ केरल विधानसभा भवन के रजत-जयंती समारोह में संसद और विधानसभा सदनों में काम-काज में रुकावट डालने को राजनीतिक रणनीति का हथियार बनाने की प्रवृत्ति के खिलाफ देश को आगाह कर रहे थे। उन्होंने सदनों के अध्यक्षों से आगाह किया कि वे इस बारे में राष्ट्रीय सहमति बनाने का काम करें कि जनतंत्र के मंदिरों का उपयोग उपयोगी बहस और सार्थक कामकाज के लिए ही हो। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने इस बात को रेखांकित किया कि यदि संसद में होने वाला कार्य दूसरों को अनुकरणीय नहीं लगता तो इसका मतलब यह है कि हमारे सोच में कहीं कोई खामी है। उन्होंने विधानसभा परिसर के पुनर्विकास के लिए आधारशिला भी रखी।

आधारशिला वाली बात का रिश्ता कहीं न कहीं इस तथ्य के साथ भी है कि पुनर्विकास का मतलब संसदीय परंपराओं को बनाये रखने से भी होता है। आज जब हम नये संसद-परिसर के उद्घाटन समारोह के साक्षी बन रहे हैं, इस बात का भी ध्यान रखा जाना ज़रूरी है कि जनतंत्र का हमारा मंदिर जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों के अनुरूप कार्य का उदाहरण बने। यह बात महत्वपूर्ण नहीं है कि उद्घाटन किसके हाथों हो, महत्वपूर्ण यह है कि उद्घाटन के बाद वहां काम कैसा हो रहा है।

वैसे इस संदर्भ में विपक्ष यह बात भी कह रहा है कि हमारे प्रधानमंत्री को उद्घाटन-समारोहों से कुछ ज़्यादा ही मोह है। छोटे-छोटी परियोजनाओं का उद्घाटन वे स्वयं करना पसंद करते हैं। किसी राजमार्ग का उद्घाटन करना कतई ग़लत नहीं है, पर राजमार्ग के छोटे से हिस्से का उद्घाटन प्रधानमंत्री करें, यह बात कुछ उपयुक्त नहीं लगती। इसी तरह वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत प्रधानमंत्री करें यह तो समझ आता है, हर नये रूट पर वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री ही हरी झंडी दिखायें यह कुछ अजीब तो लगता ही है। कुछ काम करने का श्रेय तो रेल मंत्री या परिवहन मंत्री को भी मिलना चाहिए। विपक्ष इस प्रवृत्ति को आत्म-प्रचार और आत्म-श्लाघा से जोड़ रहा है।

विश्वनाथ सचदेव

बहरहाल, उद्घाटन वाला यह विवाद न उठता तो अच्छा था। पता नहीं प्रधानमंत्री की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी। अभी तक तो भाजपा के अन्य नेतागण ही इस बारे में बोल रहे हैं। पर यदि किसी रूप में प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम से जुड़ते हैं तो निश्चित रूप से कार्यक्रम की भव्यता बढ़ जायेगी। इसे राजनीतिक नफे-नुकसान का माध्यम बनाना किसी भी पक्ष के लिए उचित नहीं है। प्रधानमंत्री स्वयं पहल करके इसकी भव्यता को बढ़ा सकते हैं।

सही रास्ते पर चलने वाला नेता निःसंदेह बड़ा होता है, पर सही रास्तों का पता लगाने, उन्हें काटों-कंकड़ों से मुक्त बनाकर उन पर देश और समाज को चलाने वाला नेता कहीं अधिक बड़ा होता है। हमारे नेतृत्व को चाहे वह किसी भी स्तर का क्यों न हो, इस परीक्षा में लगातार सफल होना है। सवाल सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का नहीं है, राजनीतिक संस्कृति के परिष्कार का है। इस कार्य में हमारा नेतृत्व अक्सर विफल होता ही दिखा है। जुमलेबाजी वाली राजनीति से बचना-बचाना ज़रूरी है। चुनाव-दर-चुनाव हम इस प्रवृत्ति के खतरनाक परिणाम देखते आ रहे हैं। संसद भवन में जुमलेबाजी के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। संसद से जुड़े हर कार्य में, उद्घाटन समारोह में भी, एक गरिमा दिखनी चाहिए। इस बात को हमारा नेतृत्व कब समझेगा?

मणिपुर को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी आश्चर्यजनक

मणिपुर की राजधानी इंफाल में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई है। कई क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए सरकार ने सेना को तैनात कर दिया है। मेतई और कुकी समुदाय के बीच में हिंसक झड़पें हो रही हैं। 1 दिन पहले ही 131 साल पुराना ईसाई स्कूल जला दिया गया। मेतई और कुकी समुदाय के बीच लगातार हिंसक घटनाएं हो रही हैं। अफवाहों को रोकने के लिए एक बार फिर प्रशासन ने 5 दिन के लिए इंटरनेट की सेवाएं बंद कर दी हैं। इंटरनेट की सेवाएं बंद हो जाने के कारण स्थानीय लोगों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। इंटरनेट सेवाएं पहले भी 15 दिन बंद रही हैं। इंटरनेट बंद होने से ऑनलाइन लेन-देन नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण खाने- पीने की सामग्री भी मणिपुर के नागरिकों को नहीं मिल पा रही है।

सनत कुमार जैन

मणिपुर के लोग बहुत प्रतिभाशाली और मेहनती हैं। सिविल सेवाओं, सेना, खेलकूद, कला संस्कृति इत्यादि में मणिपुर के लोग अपनी आबादी की तुलना में, अन्य राज्यों से बहुत अच्छा प्रदर्शन पिछले वर्षों में किया हैं। 1980 के दशक में यहां पर बागी गुट पैदा हुए थे। लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार ने इसमें काबू पा लिया था। सीमावर्ती इस राज्य में 80 के दशक में समन्वय बनाने में तत्कालीन केंद्र सरकार की बड़ी भूमिका थी। उसके बाद से मणिपुर राज्य ने बड़ी तेजी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सक्रियता और पहचान बनाई। मणिपुर के युवाओं ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया पूर्वोत्तर के राज्यों को भारत के अन्य राज्यों के साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका थी।

पिछले कुछ वर्षों से एक विशेष संगठन यहां पर सक्रिय था। उसने मेतई और कुकी समुदाय के बीच दूरियां बनाने के लिए सुनियोजित तरीके से काम किया। पूर्वोत्तर के राज्यों में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए पहले दलबदल कराया गया। भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों में अपनी सरकारें बनाई। सरकार बनने के बाद कुछ ऐसे निर्णय किए। जिसका असर मणिपुर के विभिन्न जातीय समुदायों के बीच अलगाववाद के रूप में पड़ा। जब चुनाव हुए तो भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ मणिपुर में सरकार बना पाई। उत्तर पूर्व के अधिकतर मुख्यमंत्री कांग्रेस की विचारधारा के हैं। हाल ही के वर्षों में दल-बदल के माध्यम से भाजपा ने सत्ता में अपनी पकड़ बनाने के लिए, मणिपुर और पूर्वोत्तर के राज्यों में विभिन्न जाति और समुदायों को एक दूसरे से अलग करने ओर उन्हें अपने पक्ष में लाने का प्रयास किया है। उसके कारण मणिपुर एक बार फिर आग की लपटों से जलने लगा है।

मणिपुर में सत्ता पारंपरिक रूप से दबंग हिंदू मेतई समुदाय के पास रही है। 1963 में मणिपुर के पहले मुख्यमंत्री मेतई समुदाय के थे। अभी तक मणिपुर में केवल दो बार ही आदिवासी समुदाय के मुख्यमंत्री बने हैं। पिछले कुछ वर्षों में हिंदू, ईसाई और आदिवासियों के बीच विभाजन कराने के सुनियोजित प्रयास सत्तारूढ़ दल की शह पर एक संगठन द्वारा किए गए। उसके बाद से ही मणिपुर आग में जल रहा है। पिछले 3 सप्ताह में यहां पर अधिकृत रूप से 73 से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं। सैकड़ों झड़पें और आगजनी की घटनाएं हुई हैं। मणिपुर का ऐतिहासिक स्कूल भी जला दिया गया। इंफाल में शरणार्थी शिविर बना दिए गए हैं। भारत के अंदर किसी राज्य में इस तरह की स्थिति की कल्पना भी नहीं की जा सकती है, जो मणिपुर में देखने को मिल रही है। जातीय विभाजन का सबसे खराब नजारा मणिपुर राज्य में देखने को मिल रहा है। जहां 10 कुकी विधायक जिसमें सत्तारूढ़ दल भाजपा के 7 विधायक शामिल हैं। केंद्रीय गृहमंत्री को संयुक्त ज्ञापन भेजकर मणिपुर के अंदर जो जातीय सफाया और बंटवारा किया जा रहा है। उसको लेकर अलग राज्य की मांग कर दी है। सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दल किस तरह से अशांति पैदा करते हैं। समुदायों को आपस में लड़ाते हैं। जाति धर्म के आधार पर बंटवारे कराकर सत्ता को हासिल करना चाहते हैं। मणिपुर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जब आग लगेगी,तो उसके संपर्क में जो भी आएगा वह झुलसेगा। मणिपुर में जो आग जल रही है। उसमें मेतई समुदाय और कुकी समुदाय के साथ-साथ अन्य लोगों को भी उतना ही नुकसान उठाना पड़ रहा है। जितना इन दोनों समुदायों को उठाना पड़ रहा है। मणिपुर की वर्तमान घटना से सभी लोगों को सबक लेने की जरूरत है। विशेष रुप से जो सत्ता के लिए अलगाववादी सोच को बढ़ावा देते हैं। यदि अशांति फैलेगी, तो नुकसान सभी वर्गों का होगा। किसी एक वर्ग विशेष अकेले का नहीं होगा। सत्ता के सिंहासन में जो बैठा होगा उसे जरूर सत्ता का सुख मिलेगा। बाकी सभी को नुकसान झेलना पड़ेगा, यह आम नागरिकों को ही समझना होगा। हजारों साल की गुलामी के बाद पिछले 7 दशक में निर्भयता से रहने की जो स्वतंत्रता मिली थी, उस स्वतंत्रता को धीरे-धीरे धार्मिक एवं जातीय अफीम पिलाकर लोगों को गुलाम बनाने की जो साजिश हो रही है, उसे नागरिकों को समझना होगा।

पहले खास थे अब खल्लास

दो हजार के नोट की विदाई की कहानी लिखी जा चुकी है। रिजर्व बैंक ने 19 मई को उसे बंद कर दिया। 2000 का नोट निपट लिया, उसकी श्रद्धांजलि सभा में तमाम नोट शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा यूं चली-

आलोक पुराणिक

सौ के नोट ने यूं कहाकृ दादा दो हजार वाले नहीं रहे, हमें गहरा दुख है। पर यह भी सच्चाई है कि दादा पिछले कुछ सालों से दिखना ही बंद हो गये थे। एक तरह से रिटायरमेंट में चले गये थे। या हमें बताया गया कि दो हजार वाले दादा कुछ खास तिजोरियों में ही बंद हैं। काली कमाई वाले दादा दो हजार को अंदर कर लेते थे, हम तो ठहरे बहुत छोटे नोट, मेहनतियों के हाथों में चलते हैं। काली कमाई वाले हमसे दूर रहते हैं। पर दादा दो हजार इलीट थे, यह बात हमें माननी चाहिए। कुल मिलाकर हम तो यही कहेंगे कि दादा रिश्वतखोरों और भ्रष्टों के बहुत ही काम आये।

श्रद्धांजलि सभा में खुसुर-पुसुर शुरू हो गयी- ये सौ का नोट दादा 2000 का सम्मान कर रहा है या बेइज्जती कर रहा है। यह बात सही नहीं है, उतारो सौ के नोट को मंच से। हो गयी इसकी श्रद्धांजलि।

फिर पांच सौ के नोट ने श्रद्धांजलि यूं दीकृ दादा दो हजार से हमारा बड़ करीब का रिश्ता रहा, पांच सौ के नोट के बाद सीधा दादा दो हजार का ही नंबर आता था। कभी हमारे बीच एक हजार का नोट आता था, पर हजार वाले दादा की विदाई के बाद तो दादा दो हजार से हमारा एकदम करीब का रिश्ता हो गया था। दादा पिछले एक-दो सालों से कहीं दिखायी नहीं दे रहे थे, पर दादा का काम खत्म न हुआ था। बड़ी रिश्वत नकद में जब भी दी जाती थी, तब तब दादा दो हजार को ही याद किया जाता था। सौ रुपये के नोट को यह न भूलना चाहिए कि बड़ी रिश्वत के लिए दादा दो हजार ही याद किये जाते थे। हमें दादा दो हजार का सम्मान करना चाहिए। बड़ों का सम्मान करना चाहिए। यहां यह बताना जरूरी नहीं है कि दादा दो हजार के जाने के बाद अब सबसे बड़े नोट हम ही रह गये हैं पांच सौ वाले। बल्कि यह उचित होगा कि मुझे नोटमंडल का अध्यक्ष घोषित कर दिया जाये।

फिर खुसुर-पुसुर शुरू हो गयी- देखो श्रद्धांजलि देने आये हैं और अपनी गोटियां फिट करने में लग गये। श्रद्धांजलि में भी अपनी नेतागीरी चमका रहे हैं, गलत बात है।

फिर दो सौ रुपये के नोट ने अपनी बात यूं रखीकृ दादा दो हजार के जाने का दुख है। पर जाने वाले को कौन रोक पाया है। देखिये बीच का रास्ता सबसे ठीक होता है, अब सबसे बड़ा वाला नोट पांच सौ का बचा है और उसके बाद मेरा नंबर आता है। तो मुझे अध्यक्ष बना दिया जाये, मध्यम मार्ग।

इसके बाद श्रद्धांजलि सभा में मारधाड़ शुरू हो गई।

चुनावी गारंटी लागू करने का अर्थशास्त्र

के.एस.तोमर

यद्यपि कर्नाटक प्रदेश पर पिछली भाजपा सरकार के समय का 5 लाख 60 हजार करोड़ का ऋण है, लेकिन सत्ता संभालते ही अपनी पहली मंत्रिमंडल की बैठक में सिद्धारमैया सरकार ने पांच गारंटी को लागू करने का फैसला लिया है जिस पर 50 हजार करोड़ की भारी-भरकम राशि खर्च होने का अनुमान है। इसके साथ ही यदि सरकार ने सभी चुनावी वादे पूरे करने का फैसला लिया तो यह खर्च 2 लाख 42 हजार करोड़ को भी पार कर जाएगा।

कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र को लागू करने की दिशा में मंत्रिमंडल ने अधिसूचना जारी करने का निर्णय लिया है कि पांचों गारंटी को लागू किया जाएगा। इसके अंतर्गत हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, परिवार की मुखिया महिला को हर माह 2 हजार रुपये, गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले हर परिवार के सदस्यों को 10 किलो मुफ्त राशन, बेरोजगार स्नातक को दो वर्ष तक हर माह 3 हजार और डिप्लोमा धारक को एक हजार 500 रुपये और महिलाओं को राज्य में मुफ्त बस सेवाएं उपलब्ध करवाने के निर्णय हैं। इसके अलावा पार्टी के घोषणापत्र में बंद पड़ी कृष्णा, अपर कृष्णा और अपर भाद्रपद परियोजनाओं को भी पूरा करने की बात कही गई है जिस पर 2 लाख करोड़ की लागत का अनुमान है। इसके साथ ही कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली पर 2 हजार करोड़ वार्षिक खर्च आयेगा। इसके अतिरिक्त सरकार ग्रामीणों के साथ किए गये वादों को भी पूरा करेगी। अपनी चुनावी रैलियों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने वादा किया था कि सत्ता में आने पर उनकी सरकार मंत्रिमंडल की पहली बैठक में इन गारंटी पर मोहर लगाएगी और यह वादा पूरा भी किया है।

कांग्रेस सरकार को इन पांच मुख्य चुनावी गारंटी को अमली जामा पहनाने पर हर वर्ष 40 हजार करोड़ खर्च करने होंगे जो राज्य बजट का 15 प्रतिशत है। इसके अलावा राहुल गांधी ने हर मछुआरे को 10 लाख का मुफ्त बीमा और इस समुदाय की हर महिला को 1 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण और 25 रुपये अनुदान पर रोजाना 200 लीटर डीजल देने का भी वादा किया है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय वर्ष 2003 से कर्नाटक के 3 लाख कर्मचारी नयी पेंशन स्कीम के अंतर्गत आते हैं, जिसे केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने लागू किया था। अब यदि पुरानी पेंशन स्कीम बहाल की जाती है तो प्रदेश पर हर साल 2 हजार करोड़ का वित्तीय बोझ पड़ेगा और आने वाले वर्षों में यह और बढ़ेगा। हाल ही में हिमाचल सरकार द्वारा भी पुरानी पेंशन बहाली का निर्णय लागू किया गया, लेकिन केंद्र सरकार ने एनपीएस में जमा 8 हजार करोड़ को वापस करने से मना करके प्रदेश सरकार को मुश्किल में डाल दिया है। यह वह राशि है जो हिमाचल के कर्मचारियों और सरकार के योगदान से पिछले 18 वर्षों में एनपीएस में जमा की गई थी। इसी तरह केंद्र ने राजस्थान सरकार द्वारा एनपीएस में जमा 36 हजार करोड़ लौटाने से भी इंकार कर दिया है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी पुरानी पेंशन स्कीम लागू कर दी है और गहलोत सरकार को पूरा विश्वास है कि नवम्बर में होने वाले विधानसभा चुनावों में इसका लाभ कांग्रेस को मिलेगा। समझा जाता है कि इसी तर्ज़ पर केंद्र सरकार कर्नाटक के एनपीएस में जमा 19 हजार करोड़ भी लौटाने से इंकार कर देगी। इसलिए अब कर्नाटक सरकार को अन्य संसाधनों से धन का प्रावधान करना होगा।

अब रिजर्व बैंक ने भी राज्य सरकारों को आगाह किया है कि वे ओपीएस लागू न करें क्योंकि आने वाले समय में इस कारण से देनदारियां इतनी बढ़ जाएंगी कि भविष्य में अर्थव्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। इसके साथ ही 10 लाख नौकरियों के साथ 2 लाख 50 हजार रिक्त पदों को भरना भी राज्य के वित्तीय संसाधनों पर असर डालेगा। पिछले कार्यकाल के दौरान कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 50 हजार करोड़ की लागत से कृष्णा, अपर कृष्णा और अपर भाद्रपद जैसी सिंचाई योजनाओं का एलान किया था जिन पर 58 हजार करोड़ का खर्च किया गया था। अब और भी बड़ी चुनौती सामने है कि अगले पांच वर्षों तक इन परियोजनाओं को पूरा करने पर हर वर्ष 40 हजार करोड़ का इंतजाम करना कठिन होगा।

वैसे आर्थिक विशेषज्ञों को विश्वास है कि कर्नाटक घोषित वित्तीय गारंटियों का भार उठाने की क्षमता रखता है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में खुलासा किया था कि राज्य का 2022-2023 के राजस्व का लक्ष्य बिना जीएसटी के 72 हजार करोड़ था जबकि यथार्थ में जनवरी तक 83010 करोड़ इकट्ठा हुए थे। कहा जा सकता है कि राजस्व निरंतर बढ़ेगा। ताजा आर्थिक सर्वे के अनुसार अगले 3 वर्षों में सरकार 1 लाख 70 हजार करोड़ का ऋण ले सकेगी जिस कारण वर्ष 2026-2027 तक ऋणभार बढ़कर 7 लाख 30 हजार करोड़ हो सकता है। लेकिन इस अवधि में राजस्व प्राप्तियां भी बढ़ेंगी और 4 वर्ष में 2 लाख 90 हजार करोड़ तक जा पहुंचेंगी। यह स्थिर व सुव्यवस्थित आर्थिकी के लिए शुभ संकेत है। दक्षिण के सभी राज्यों में कर्नाटक का ग्रॉस स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्ट 3 लाख 5 हजार करोड़ है जो सबसे अधिक है।

कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता दावा कर रहे हैं कि राज्य की आर्थिक स्थिति स्थिर है और सरकार अपनी चुनावी गारंटी लागू करने के लिए अतिरिक्त संसाधनों का प्रबंध करेगी।

1 करोड़ 98 लाख गरीब बच्चों की गणवेश शिव 'राज' के भ्रष्टाचारी पहन कर घूम रहे

कमलनाथ सरकार बनने पर इस घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की जाएगी, भ्रष्टाचारियों को मिलेगी सजा

माही की गूंज, रतलाम।

पिछले 3 वर्ष में शासकीय विद्यालय के कक्षा 1 से 8 तक के 198 लाख गरीब बच्चों को निःशुल्क गणवेश वितरण में 600 करोड़ से ज्यादा के घोटाले को आजीविका मिशन ने सत्ता की भागीदारी से अंजाम दिया गया। गरीब बच्चों की गणवेश शिव ÷राज÷ के भ्रष्टाचारी पहन कर घुम रहे है। यह आरोप प्रदेश कांग्रेस महासचिव और आरोप पत्र समिति के उपाध्यक्ष पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने लगाया। सकलेचा ने कहा कि, आजिवीका मिशन द्वारा कक्षा 1 से 4 तथा 6 से 7 के सत्र 2020-21 के 58 लाख 56 हजार 668 विद्यार्थी के लिये प्रति गणवेश 300 रुपए की दर से, दो गणवेश के मान से एक करोड़ 17 लाख गणवेश के लिये फरवरी-मार्च 2021 मे स्वंय सहायता समूह को राशि वितरित की गई। जबकि शासन द्वारा केन्द्र को भेजे गये एन्युअल प्लान अनुसार राशि अप्रेल 2020 मे प्राप्त हो गई थी। विभाग द्वारा 8 सितंबर 2021 को जारी पत्रक अनुसार 43.76 लाख गणवेश नही बाटी गई। 73.37 लाख गणवेश जो जुलाई 2020 मे बटना थी, वह सत्र समाप्त होने के 4 माह बाद बाटी।

सकलेचा ने कहा कि, यह बड़ा आश्चर्यजनक है की सितंबर 2021 में 2020 के विद्यार्थियों को कहां से ढूंढ कर गणवेश बांटने का काम किया। सकलेचा ने कहा कि, 2020-21 के सत्र में कक्षा 1 से 8 में 64.34 नामांकन हुए थे, तथा कक्षा 5 के 8.31 लाख और 8 के 8.39 लाख याने कुल 16.70 लाख नामांकनांक हटा दें तो यह संख्या 47.64 लाख होती है। जबकि आजीविका मिशन ने इसके स्थान पर 58.57 याने वास्तविक संख्या से 10.93 लाख ज्यादा विद्यार्थियों की गणवेश के आर्डर की संख्या बताई। जबकि 2022-23 मे 66.23 लाख नामांकनांक मे से 5 वी तथा 8 वी को कमकर मात्र 45 लाख विद्यार्थी की गणवेश का आर्डर दिया गया। जो साफ दिखाता है कि, जिन विद्यार्थियों को गणवेश बांटना बताया गया है, वह संख्या पूरी तरह बोगस है।

2021-22 में ड्रेस नही बांटी, किया था नगद भुगतान

2021-22 में ड्रेस नहीं बांटी और नगद पैसे देने का उल्लेख किया। किसे दिया, कब दिया, कैसे दिया, कोई जानकारी नही दी। सारी राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ गयी। जबकि विधानसभा के प्रश्न में बताया कि, (1)-2020-21 मे 64.34 लाख (2)-2021-22 मे 67.59 लाख विद्यार्थी को गणवेश से लाभान्वित किया गया। 2022-23 मे राशि फरवरी-मार्च 2023 मे प्रदान की। जुलाई 2022 को बटने वाली गणवेश, 24 अप्रेल 2023 तक 90 लाख के स्थान पर मात्र 15 लाख बंटी।

अधिकारियों ने जो भी नाममात्र की गणवेश बांटी, वह सप्लायरो से सेटिंग कर 100 रुपए में घटिया क्वालिटी की सिली सिलाई गणवेश खरीद कर बांटी और स्वयं सहायता समूह को धौस देकर, जबरन हस्ताक्षर करा लिये। जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 17 नवंबर 2022 को जारी पत्र की कंडिका 4.6 अनुसार स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी स्थिति में पूर्व से सिले हुए गणवेश क्रय नहीं किए जाएंगे। सकलेचा ने कहा कि, विभाग ने स्वयं सहायता समूह के लिये कपडा मिलने के बाद, गणवेश बांटने के लिये 65 दिन तय किये थे। लेकिन अधिकांश समुह ने तो कपडा मिलने के एक से 10 दिन मे हजारो की संख्या मे गणवेश सिलकर बाट दी। जबकि उन समूह के पास इतनी मात्रा में न तो सिलाई मशीन थी और ना ही सिलने वाले कार्यकर्ता/कारीगर थे। कई समुह ने तो राशि मिलने के 10-12 दिन पहले ही कपडे का आर्डर देना बता दिया।

भ्रष्टाचार के लगे गंभीर आरोप, कांग्रेस सरकार बनने के बाद इस महाघोटाले की होगी उच्च स्तरीय जांच

सकलेचा ने आरोप लगाया कि, अप्रैल में प्राप्त होने वाली राशि को फरवरी-मार्च मे वितरित करना एक बहुत बड़ा षड्यंत्र है। सोची समझी साजिश के तहत 10-11 माह बाद राशि वितरित इसलिए की जाती है कि, उस शैक्षणिक सत्र में गणवेश वितरण का काम ना हो और उसके बाद बोगस संख्या मे वितरण दिखाकर सारा पैसा डकार लिया जाए। इन 3 वर्षों में केंद्र और राज्य शासन मिलाकर इस मद में 1138 करोड रुपया प्राप्त हुआ इसमे से 70 से 80 प्रतिशत पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। सकलेचा ने कहा कि, कांग्रेस सरकार बनने के बाद इस महाघोटाले की उच्च स्तरीय जांच की जाएगी और जो भी गरीब बच्चो की राशि डकार गए, उन्हें कठोर सजा मिलेगी।

पुलिस कर्मी ने गर्लफ्रैंड के पिता की कर दी हत्या, डीएसपी बोले - कट्टा कैसे मिला मालूम नही

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में प्यार और धोखे की एक दिल दहला देने वाली कहानी सामने आई है। बेरधा इलाके में एक पुलिसकर्मी ने अपनी गर्लफ्रेंड के घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में लड़की के पिता की मौत हो गई, तो वहीं उसका भाई घायल हो गया। इसके बाद जवान ने भी खुदकुशी कर ली। अपने जान लेने से पहले सुभाष खराडी ने सोशल मीडिया पर चौंकाने वाला पोस्ट किया था। उसने लिखा, प्यार में धोखा, इसलिए ठोका। बताया जा रहा है कि गोली युवती को भी लगी है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक सुभाष युवती से मिलने बेरछा गया था घर पहुंचने के बाद अचानक उसने युवती और उसके परिवार पर गोलियां बरसाई और मौके से फरार हो गया फिर उसने बेरछा थाने से कुछ दूरी पर रेलवे ट्रैक पर जाकर खुदकुशी कर ली।

देवास में पदस्थ था आरोपी पुलिसकर्मी सुभाष

दरअसल, सोमवार रात में शाजापुर के बेरछा में प्रेम प्रसंग के मामले में देवास में पदस्थ पुलिसकर्मी ने उसकी प्रेमिका के पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। फिर खुद ट्रैन से कटकर मौत को गले लगा लिया। सनकी पुलिसकर्मी ने प्रेमिका को सबक सिखाने के उद्देश्य से इस घटना को अंजाम दिया था, जिसमें प्रेमिका और उसका भाई घायल अवस्था में इंदौर भर्ती है। देसी कट्टे से प्रेमिका के परिवार पर गोली चलाने के बाद सुभाष खराड़ी ने फेसबुक पर पोस्ट भी डाली थी, जिसमें लिखा था प्यार में धोखा इसलिए ठोका। वो भी उसको नहीं, उसको तो ऐसा दर्द दिया जो कभी भूल नहीं पाएगी।

आरोपी पुलिसकर्मी सुभाष खराड़ी देवास में ही पदस्थ था, जहां वह डीएसपी किरण शर्मा की गाड़ी चलाया करता था। मामले में देवास डीएसपी किरण शर्मा ने कहा है कि, मंगलवार को पुलिसकर्मी उनके साथ ही था। उसका सामान्य व्यवहार लग रहा था। वह उनके साथ गाड़ी चालक के तौर पर 2 वर्ष से पदस्थ है ओर देवास में 3 से 4 वर्ष से पुलिस की नोकरी कर रहा है। कट्टा उसके पास कैसे आया, यह उन्हें नहीं मालूम।

भूमि मालिक उज्जैन का, जमीन रतलाम में, विक्रय किया मंदसौर में, 5 पर केस दर्ज

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में जमीन विक्रय के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में एक महिला सहित पांच लोगों पर धोखाधड़ी करने एक मामला कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने जमीन के एक हिस्से को अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर विक्रय अनुबंध किया, और धोखाधड़ी आकर 6 लाख 80 हजार की राशि हड़प ली। पीड़ित ने राशि वापस मांगी तो उसे जान से मरने धमकी दी। इसके बाद फरियादी ने कोतवाली थाने में अपने साथ हुई धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई है।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नरेंद्र पिता मुरलीधर पगानी (50) निवासी कृष्णा कंपाउंड गीता भवन रोड मंदसौर ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि विनोद शर्मा, मुकेश शर्मा, सोनू भाटी, काले खां व नाहरो बी ने जमीन का सौदा कर उसके साथ धोखाधड़ी की है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि काले खां उर्फ शेरू खां पिता बाबू खां व नाहरो बी पति समील शेख निवासी जबरन कॉलोनी नागदा की रिंगनोद तह जावरा जिला रतलाम स्थित कृषि भूमि सर्वे नंबर 246/12 रकबा 0.506 हेक्टेयर कुल 6 लाख 80 हजार में खरीदने का सौदा 17 दिसंबर 2021 को किया गया। इसका अनुबंध पत्र भी बनवाया था। सौदा तय होने पर 50 हजार रुपए नगद दिए थे। इसके बाद 27 दिसंबर 2021 व 20 जनवरी 2022 को 4 लाख रुपए अकाउंट आरटीजीएस किए गए। इसके साथ ही 2 लाख 30 हजार रुपए नगद दिए गए थे।

कई लोगों के नाम से अनुबंध पत्र तैयार करवाए

रुपए देने के बाद रजिस्ट्री के लिए टालमटोल करते रहे। पीड़ित ने जब भूमि के बारे ने अन्य लोगों से जानकारी निकाली तो पता चला की काले खां और नाहरो बी ने जो भूमि विक्रय की थी, वह जमीन पहले की किसी और को विक्रय की जा चुकी है। 9 दिसंबर 2022 को जमीन विनोद पिता मदनलाल शर्मा, मुकेश पिता राम किशोर शर्मा को विक्रय का अनुबंध किया गया था। तब भूमि की रजिस्ट्री विनोद व मुकेश के नाम से नहीं हो सकी। इसके बाद काले खां व नाहरो बी, विनोद व मुकेश ने षड्यंत्र रचकर भूमि को सोनू पिता वासुदेव भाटी के नाम से अनुबंध पत्र तैयार किया। इन सभी ने मिलाकर षड्यंत्र रचते हुए फरियादी नरेंद्र पगानी को जमीन का सौदा कर दिया, और अलग-अलग टुकड़ों में 6 लाख 80 हजार रुपए हड़प लिए। आरोपियों ने जमीन की रजिस्ट्री भी नहीं करवाई और अब रुपए वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी जाने के बाद कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई। मामले में पुलिस ने विनोद पिता मदनलाल शर्मा निवासी दलौदा, मुकेश पिता रामकिशोर शर्मा निवासी अभिनन्दन नगर मंदसौर, सोनू पिता वासुदेव भाटी निवासी सीखेड़ी, काले खां पिता बाबू खां व नाहरो बी पति सलीम शेख निवासी नागदा के खिलाफ धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया है।

रोज की पिटाई से परेशान थी महिला, फांसी लगाकर दे दी थी जान

माही की गूंज, शामगढ़। शामगढ़ थाना क्षेत्र के धामनिया दीवान में विवाहिता द्वारा आत्महत्या करने के मामले में जांच के बाद पुलिस ने पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शामगढ़ थाना क्षेत्र के धामनिया दीवान निवासी कविता ने 11 मई को घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर थी। मामले में पुलिस ने मार्ग दर्ज कर जांच शुरू की तो पता चला कि कविता के पति विजय के अन्य महिला से प्रेम प्रसंग था। इसको लेकर विजय पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए उसे प्रताड़ित करता था। मृतिका के परिजनों ने पुलिस को दिए बयान के अनुसार कविता की शादी विजय के साथ 2015 में की थी। उसके दो बच्चे हैं। आरोपी पति विजय उसे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना देता था। आए दिन उसके साथ मारपीट करता था एक बार तो आरोपी पति ने उसे करंट लगाकर मारने की कोशिश भी की थी। रोज रोज की मारपीट से और प्रताड़ना से तंग आकर मृतिका ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले में जांच के बाद आरोपी पति के खिलाफ आईपीसी की धारा 306, 498ए के अंतर्गत अपराध दर्ज किया है।

गहराता जल संकट : बूंद-बूंद पानी के लिए मीलों का सफर तय करने को मजबूर हैं ग्रामीण

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में बूंद-बूंद पीने के पानी को तरसते हुए ग्रामीण नजर आ रहे हैं। शुजालपुर के पास ही के गांव ताजपुर पुकारा और देवला बिहार के ग्रामीण पानी की भयंकर समस्या से जूझ रहे हैं।

बता दें कि, यह गांव राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार की विधानसभा के पास के गांव हैं। आलम यह है कि, इतनी गर्मी में गांव के लोग 2 से 3 किलोमीटर दूर पानी लेने को जाते हैं और ट्यूबवेल के बाहर घंटों कुप्पी लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं। बुजुर्ग हो या महिलाएं या बच्चे सभी घंटो तक पानी के लिए लाइन में लगे रहते हैं। महिलाओं को सुबह के घर का काम छोड़कर पानी लेने के लिए जाना पड़ता है अगर पानी लेने ना जाए तो घर में लोग इतनी गर्मी में प्यासे ही रह जाएंगे।

यह हालत राज्य शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के गृह क्षेत्र की है जहां पर ग्रामीणों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। कई बार ग्रामीणों ने पानी की समस्याओं को लेकर शिकायत भी की है, लेकिन ग्रामीणों की पानी की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। बूंद-बूंद पानी के लिए ग्रामीण तरस रहे हैं कई घंटों लाइन में लगने के बाद अपनी प्यास बुझाते हैं।

जीवित रहने के लिए करना पड़ रहा है संघर्ष

ग्रामीणों ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि, कई बार हमाने गांव के सरपंच से पानी की समस्या को लेकर बोला है। सरपंच का कहना है कि, आपकी समस्या का समाधान जल्द हो जाएगा, लेकिन अभी तक पानी की समस्या से हमें कोई निजात नहीं मिल पाई है। ऐसे में अब हम क्या करें हम बहुत परेशान हो चुके हैं। 2 से 3 किलोमीटर दूर से हमें पानी लेकर हमारी प्यास बुझाना पड़ती है। अभी तक हमारी कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। इंसान पानी से ही जीवित है और हम जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

महिलाओं का कहना है कि, हमें घर का काम छोड़कर पानी लेने आना पड़ता है और यहां पर घंटों नंबर लगा कर बैठना पड़ता है, फिर जाकर हमारा नंबर आता है। कई बार ग्रामीणों ने इस बारे में सरपंच, सचिव, मंत्री सभी को अवगत कराया है, लेकिन अभी तक पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। वही महिला ने बताया कि, मोतीलाल के कुंए से हम लोग पानी भर रहे हैं। शासन प्रशासन से अभी तक कोई मदद नहीं मिल पा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि, हम राज्य शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ये यही कहना चाहेंगे कि हमारे गांव में पानी की व्यवस्था करवा दी जाए ताकि हमें पानी की समस्या से जूझना ना पड़े।

वर्षों बीत गए लेकिन नहीं सुलझी पानी की समस्या

वही पीएचई विभाग के अधिकारियों से पानी के समस्याओं को लेकर बात की गई तो उन्होंने बताया कि, ताजपुर काला में हमारे द्वारा कुल 12 हैंडपंप लगाए गए हैं जिनमें से 6 हेडपंप चालू है भूमिगत जल स्तर की वजह से ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पा रहा है। हेडपंप जो टूटे हुए हैं उनको हमने लिस्ट में शामिल कर लिया है। सभी का प्रस्ताव बनाकर वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दिया गया है।

सवाल ये उठता है कि, गांव में हेडपंप है लेकिन पानी की कोई सुविधा नहीं जेट पंप तो है, लेकिन टूटे हुए और अधिकारियों का कहना है कि जल्दी गांव में पानी के समस्याओं ग्रामीणों को निजात दिलाई जाएगी। अधिकारियों की ये बात सुनते हुए कई वर्ष बीत गए मगर अभी तक गांव में कोई सुधार नहीं हुआ है। राज्य शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का क्षेत्र होने के बावजूद भी गृह गांव की स्थिति कुछ इस प्रकार देखने को मिल रही है। ग्रामीण पानी के लिए दरबदर भटक रहे हैं।

8 लेन एक्सप्रेस-वे शुरू होने से पहले ही अपराधियों का बोलबाला

धामनोद 8 लेन रोड पर नकली पुलिस बनकर लूट करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

दिल्ली-मुंबई 08 लेन सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट अभी शुरू भी नही हुवा की आपराधिक के हौसले बुलंद हैं। फिलहाल लोग जितना रोड बना है उस पर से आना-जाना कर रहे हैं। 8 लेन से गुजरते वाहनों पर पथराव की घटना सुनने में आती रहती हैं लेकिन इस बार अपराधीयो ने लूट का तरीका बदल कर धामनोद 8 लेन पर फैक्ट्री के पास नकली पुलिस बनकर लूट पाट करने की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि सैलाना पुलिस से इन आरोपियो को पकडने व लूटे गये माल को बरामद करने को बड़ी सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने इस वारदात में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 19 मई की मध्य रात्री मे धामनोद 8 लेन पर सीमेंट के पोल बनाने की फैक्ट्री के पास दो बदमाशो ने नकली पुलिस बनकर बोलेरो कार से जा रहे दो व्यक्तियों से नगदी व मोबाईल लूट लिए थे। 21 मई को फरियादी सुनिल डिंडोर शिकायत की कि मै अपनी बोलोरो कार क्रं. एमपी 43 जी 3569 से मेरे दोस्त देवु मईडा अपनी पीक अप गाडी क्र. एमपी 45 जी 1566 मे ताल से सुकला भरकर अपनी अपनी गाडी से 8 लेन हाईवे से थांदला जा रहे थे कि, हाईवे की साईड सीमेंट के पोल बनाने की फैक्ट्री के पास रात्री 11-12 बजे धामनोद के पास एक सफेद रंग की टीयूवी 300 कार जिसका नम्बर एमपी 13 सीई 1570 के ड्रायवर ने हमारी गाडी के आगे लगाकर पुलिस वाले बताकर बिना वर्दी के जींस पेंट पहने गाली देते हुए बोले कि गाडी के कागज दिखाओ। हमने बोला कि, कागज नही ऑन लाईन देख लो तो बोले कि इस रोड पर गाड़ी कैसे लाए। 8 लेन रोड पर गाडी चलाने का परमीट दिखाओ जितने पैसे है सब निकाल के दो। हम लोग काफी डर गये थे। फिर दोनो ने जबरदस्ती हम दोनो की तलाशी ली और जेब में 1000 रुपये मारपीट कर छीन लिए व गाडियो की चाबी लेकर अपनी टीयूवी कार मे बैठा कर 8 लेन रोड से उतार कर धामनोद के आगे ब्रीज के नीचे ले गये थे, गाड़ी में हमे धमकी देने लगे कि पैसे नही दोगे तो मारेगे व जेल मे डाल देंगे।

जेलर साहब जेल में जगह रखना बोल कर डराया फिर की लूट

लुटेरों ने लूट शिकार हुए लोगो से कहा कि, धामनोद में मेरी दादागीरी चलती है व एक फोन लगाकर किसी को बोल रहा था कि जेलर साहब जेल मे जगह है ? दो लोगो को जेल में डालना है, फिर हमसे बोला कि अभी जेल पुरी भरी है, तुमको कहीं और ले चलता हुँ। अभी हमारे पास केवल 1000 रुपये ही थे जो आपने ले लिये है, हमारे पास और रुपये पैसे नही है। फिर वह लोग वापस हमें 8 लेन पर हमारी गाड़ियों के पास ले गये और नवीन बैरागी ने मेरा मोबाईल छीन लिया तथा समरथ चौधरी ने देवु का मोबाईल और लाईसेंस छीन लिया हमसे मोबाईल का पेटर्न लाक पुछा फिर हमारे सामने ही पेटर्न खोल कर सब डाटा डिलीट कर दिया। फिर हम को गाड़ी के पास छोड़ कर एक ट्रक वाले को रुकवाया फिर कुछ देर बाद हमारे पास आये हम को चाबी दी और बोला कि अब तुम चोकी चलो। हम आगे बढे तो वह लोग पीछे से उनकी गाड़ी लेकर चले गये। हमने पलट कर देखा गाड़ी नही आ रही थी तो हम लोग रोड़ पर ही उनका इंतजार करते गाड़ी में ही सो गये थे सुबह तक नही आये तो हम लोग सीधे थांदला चले गये थे। अगले दिन सैलाना पुलिस ने फरियादी सुनिल पिता बाबुल डिंडोर निवासी पाटन जिला बांसवाडा राजस्थान की रिपोर्ट आपराधिक प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की खोजबीन शुरू कर दी। पुलिस द्वारा की जा रही तलाश के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि 8 लेन पर लूटपाट करने वाले व्यक्ति अपनी भारत सरकार लिखी कार से कही जाने वाले है। सूचना पर तुरंत कार्यवाही करते हुए आरोपी समरथ पिता पूनाजी चौधरी (32) निवासी संजय कालोनी धामनोद तथा नवीन उर्फ नारायण पिता कैलाश बैरागी (30) निवासी चार भुजा मंदिर के पास धामनोद को गिरफ्तार किया गया। आरोपीयो को पकड़ने व लूट का माल जप्त करने मे थाना प्रभारी काय. निरी. मो. अय्युब खांन, चौकी प्रभारी धामनोद लिलियन मालवीय, प्रआर दिनेश जाट, प्रआर अमीचंद, प्रआर हेंमत जाट आर सतीश परमार, आर प्रदीप दामा की महती भुमिका रही।

कृषि मार्ग पर खुदाई कर किया अवरुद्ध, किसानों की शिकायत पर कलेक्टर ने एसडीएम को दिए जांच के आदेश

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने जनसुनवाई में आने वाले आवेदको की समस्याएं सुनने के साथ ही कई शिकायतो का मौके पर ही निराकरण किया। जनसुनवाई में आवेदको ने मारपीट, अतिक्रमण, आर्थिक सहायता, ईलाज में मदद जैसी समस्याओं को लेकर आवेदन दिए। ग्राम घोडवा तहसील भीकनगांव के सौदान सिंह, मोहन सिंह, महेश, दिनेश आदि ने कलेक्टर वर्मा को बताया कि गांव की खसरा नंबर 287 की भूमि पर शासकिय रास्ता है जो उनके खेतों तक पहुंचता है। पिछले करीब 3 से 4 वर्षों से उक्त रास्ते पर हुकुम चुन्नीलाल द्वारा आए दिन खुदाई कर मार्ग अवरुद्ध कर विवाद किया जा रहा है। खेतों तक पहुंचने वाले इस एकमात्र रास्ते को बार-बार अवरुद्ध किए जाने से किसानो को परेशान होना पड़ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर वर्मा ने तत्काल एसडीएम को मामले की जांच के आदेश दिए।

अवैध दुकानें तोड़ने की लगाई गुहार

इसी तरह औरंगपुरा खरगोन में भुखंड क्रमांक 88 पर निर्मित तीन दुकानों पर अवैध निर्माण की शिकायत जनसुनवाई पहुंची। चंदुलाल नत्थु खोडे ने जनसुनवाई में शिकायती आवेदन सौंपत हुए बताया कि उनके पट्टे की जमीन पर तीन दुकाने अवैध रुप से बनाई गई है। उक्त भूमि पर अन्य महिला के नाम से फर्जी तरीके से पट्टा बनवाकर दुकानें बनाई गई है, मामले में जांच कर दुकाने तोड़कर उन्हें जमीन पर कब्जा दिया जाए।

ईलाज के लिए दी आर्थिक सहायता

जनसुनवाई में शहर के बिरला मार्ग निवासी एक बुजुर्ग महिला रुखमणी बाई ने परिवार की आर्थिक स्थित खराब होने से पति के पैर का अंगुठा कटने पर उपचार के लिए मदद की गुहार लगाई। जिस पर कलेक्टर वर्मा ने उन्हें तत्काल 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता मुहैया कराते हुए स्वास्थ्य विभाग को उचित उपचार कराने के निर्देश दिए।

चित्त की शुद्धि पर आत्मशांति- पंडित मेवालाल

माही की गूंज, बड़वानी। बुधवार को परम पूज्य कांता दीदी की 99 वीं जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम में भूतपूर्व छात्राओं सहित आश्रम के कर्मचारी और छात्रायें उपस्थित हुई। विशेष अतिथि के रूप में गायत्री परिवार जामली के पंडित मेवालाल पाटीदार उपस्थित हुये। उन्होंने तन शुद्धि के साथ मन और चित्त शुद्धि की बात करते हुये प्राणायाम और बंद आसन की मुद्रा भी बताई। बहुत सुन्दर उदाहरणों के साथ स्वस्थ्य जीवन जीने की कला सिखाई। उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से कहा कि कांता दीदी ने यहाँ आकर इस क्षेत्र में विशिष्ट कार्य किये उनके आसपास हमेशा संसद लगी रहती थी। एक अच्छा सा न्यायालय का दृश्य बना रहता था। जिन आदिवासी समाज के लोगों उपेक्षित मानते थे उनके घरों में जाकर रही। उनके साथ बैठकर खाना खाया। इस प्रकार उन्होंने समाज में समरसता स्थापित करने का कार्य किया दीदी ने जो कार्य किये वे मन से और उसमें डुबकर काम करती रही। पूज्य दीदी का आज से 100वाँ वर्ष प्रारंभ हो गया इसे शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जाये। वर्ष भर कुछ न कुछ कार्यक्रम चलते रहें। वृक्षारोपण जल संग्रहरण स्वच्छता अभियान, खादी और मानव समाज को स्वस्थ एवं सुसंस्कृत करने की दिशा में निरन्तर किये जाना चाहिए। आज के दिन सभी संकल्प ले कि इस शताब्दी वर्ष में ऐसा कुछ कार्य करना है जिससे आश्रम की पहचान पूरे देश में हो जाये। पूज्य दीदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 23 मई की संध्या एवं 24 मई की प्रातः दो सत्रों में डॉ. सेवन्ती डावर द्वारा योग एवं ध्यान पर विशेष रूप से नये दृष्टिकोण वाला शिविर आयोजित किया। जिसमें ''प्रवचन नहीं प्रयोग'' के द्वारा स्वस्थ्य जीवन जीने के लिये योगासन के अलावा सम्यक आहार, सम्यक निद्रा और सम्यक व्यायाम पर प्रकाश डाला। पूर्व मंत्री अंतरसिंह आर्य, स्थानीय समाजसेवी कन्हैयालाल सिसोदिया, डॉ. सुमित्रा वास्केल, पूर्व प्राचार्या, पूर्व विधायक भावसिंग भाई डावर और नगर पालिका सी.एम.ओ. भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

टेमला में 368 और तलकपुरा में 335 रोगियों ने लिया आयुष स्वास्थ्य मेले का लाभ

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में आयुष विभाग द्वारा लगातार स्वास्थ्य आयुष मेलो के माध्यम से मरीजों को गांव में पहुंचकर न केवल निरूशुल्क उपचार दे रहा है बल्कि दवाईयां भी उपलब्ध कराई जा रही है। बुधवार को जिला आयुष अधिकारी डॉ. वासुदेव आसलकर के निर्देशन में जनपद के ग्राम टेमला एवं सेगांव तहसील के तलकपुरा में जनसेवा आरोग्य सेवा का संदेश लिए स्वास्थ्य आयुष मेले का आयोजन किया गया। टेमला में बतौर मुख्य अतिथि उपसरपंच वासुदेव पाटीदार, विधायक प्रतिनिधि मांगीलाल पाटीदार, पूर्व सरपंच रामेश्वरम पाटीदार, भूतपूर्व जनपत सदस्य विनीत पाटीदार ने मेले का शुभारंभ भगवान धन्वंतरी जी की पूजा-अर्चना कर किया। आयुष मेले में आयुर्वेद की दिनचर्या औषधीयो के घरेलू उपयोग की जानकारी, आयुष विभाग की योजनाओं की, 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस की जानकारी दी गई। डॉ. संतोष मौर्य नोडल अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया गया शिविर में 368 रोगियों का परीक्षण किया गया जिसमें 274 आयुर्वेद और 94 होम्योपैथिक चिकित्सा से उपचार दिया गया। शिविर में वात रोग, चर्म रोग, श्वास, जोड़ो के दर्द, स्त्री रोग के रोगियो का उपचार डॉ. राहुल डॉ. संजय बघेल, डॉ. रजनी मंडलोई, डॉ. प्रमिला रावत, डॉ. रंजीत अजनारे द्वारा किया गया एवं निःशुल्क औषधि वितरण महेश पाटीदार, दीपेन्द्र मंडलोई, रजनी पाटीदार, मंजुला मोरे, पारु ज़मरे आदि ने किया। योग प्रशिक्षक सौरभ मोरे, गोरव द्वारा योग की जानकारी दी गई। देवरण्य योजना अन्तर्गत ग्रामीणों को 35 औषधि पौधों का वितरण किया गया। 10 जनों को आयुष केयर अप्प डाउनलोड कराया गया। ग्राम सचिव आशीष पाटीदार एवं ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा। तलकपुरा में 335 का किया उपचार ग्राम पंचायत तलकपुरा में ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य आयुष मेले का मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक केदार डावर ने भगवान धन्वंतरीजी की पूजा-अर्चना कर किया। नोडल अधिकारी डॉ. आशा सोलंकी ने बताया कि शिविर में 335 रोगियों का परिक्षण किया गया। जिसमें वात रोग चर्म रोग श्वास एकास, जोड़ो के दर्द के रोगियो का उपचार डॉ सुरेंद्र मंडलोई, डॉ. प्रीतेश खरते डॉ. सुलोचना अर्से ने किया। मरीजों को निशुल्क औषधि वितरण रामलाल कुशवाह, सुशील जोशी, वर्षा चौहान आदि स्टॉप द्वारा किया गया। योग प्रशिक्षक नितिन व्यास द्वारा योग की जानकारी दी गई साथ ही देवरण्य योजना अन्तर्गत ग्रामीणों को 55 ओषधिय पौधों का वितरण किया गया। संचालन डॉ. सुनील पाटीदार ने किया। शिविर में ग्राम के सरपंच राकेश चौहान एवं ग्रामीणों का सहयोग रहा।

कुंदा को निर्मल, सौंदर्य करने के लिए बढ़ रहे हाथ

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने शहर की जीवनदायिनी कुंदा को निर्मल एवं सौंदर्यीकरण करने के लिए जो अभियान छेड़ा है उसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे है। करीब एक पखवाड़े से निरंतर चल रहे कुंदा सफाई अभियान से कुंदा का स्वरुप बदलने लगा है। गणेश घाट सहित औरंगपुरा एवं नवग्रह पुल तक का हिस्सा अलग स्वरुप में नजर आने लगा है। कलेक्टर वर्मा ने करीब एक पखवाड़े पहले कुंदा सफाई अभियान की शुरुआत करते हुए इसमें प्रशासनिक विभागों को सहभागिता निभाने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों का पालन करते हुए रोजाना तीन विभागों के अधिकारी-कर्मचारी स्वैच्छा से नदी तट पहुंचकर यहां जमी गाद, गाजर घास, झाडियां, जलकुंभी सहित पॉलिथिन, नदी में फेंकी गई पूजन सामग्री, कुडा-करकट आदि इकठ्ठा कर नदी को साफ-स्वच्छ करने में जुट है। बुधवार को सर्व शिक्षा विभाग अभियान, कृषि उपज मंडी समिति के कर्मचारियों एवं हम्माल तुलावटियों ने अभियान में हिस्सा लेकर करीब 3 घंटे तक श्रमदान किया। इस अभियान में करीब 125 अधिकारी- कर्मचारी शामिल हुए, जिन्होंने 2 टन के करीब कचरा निकाला, जिन्हें नपा अमले ने चार ट्रालियों में भरकर ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा।

पीजी कॉलेज में चलाया स्वच्छता अभियान, शहर को स्वच्छ रखने का लिया संकल्प

माही की गूंज, खरगोन। शहर के बिस्टान रोड पर संचालित हो रहे पीजी कॉलेज में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्राचार्य डॉ. आरएस देवडा ने जानकारी देते हुए बताया कि पीजी कॉलेज एवं शासकीय विधि महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चले स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के प्रांगण तथा परिसर में महाविद्यालय के स्टॉफ, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने साफ-सफाई की। साथ ही महाविद्यालय तथा खरगोन शहर को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. चन्द्रभान त्रिवेदी, प्रो. तुषार जाधव, प्रो. गणेश पाटील, प्रो. जितेन्द्र कामले, प्रो. गोविंद मेहरा, प्रो. एमपी सिंह, प्रो. अकबर अली, महाविद्यालय के कर्मचारी, पीजी महाविद्यालय एवं विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने समाधान ऑनलाइन वीडियो कान्फ्रेसिंग ली

माही की गूंज, झाबुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने समाधान ऑनलाइन में लंबित प्रकरणों की वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न नागरिकों की समस्याओं का समाधान करवाया और अधिकारियों को निर्देश दिए। समाधान ऑनलाइन में प्रकरणों के निराकरण के बाद सीएम हेल्पलाइन को प्राप्त होने वाली शिकायतों और निराकरण की कार्यवाही की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्रेष्ठ प्रदर्शन वाले जिलों को बधाई देते हुए अन्य जिलों को भी नागरिकों की समस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री द्वारा विभागों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की गई। प्रदेश के उच्च प्रदर्शन वाले विभागों को मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिलों के कलेक्टर्स और अन्य अधिकारियों को अच्छे कार्य निष्पादन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अन्य विभागों से भी जन-समस्याओं को जल्द हल करने की अपेक्षा की। इस दौरान कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा, एसपी अगम जैन, अपर कलेक्टर एस.एस. मुजाल्दा, डिप्टी कलेक्टर आशा परमार उपस्थित थे।

आयुष मेले में 821 रोगियों को दिया गया लाभ

माही की गूंज, बड़वानी।

आयुष विभाग द्वारा बुधवार को किला परिसर गायत्री मंदिर के सामने सेंधवा में आयुष मेले का आयोजन किया गया। जिसमें आयुर्वेद, होम्योपैथ, स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिया गया। जिसमें आयुष स्वास्थ्य परीक्षण, एनसीडी स्क्रीनिंग, हर दिल ध्यान हर दिन ध्यान औषधि पौधों का वितरण, स्वर्ण प्राशन संस्कार आदि सुविधाओं का निशुल्क लाभ दिया गया इस आयुष मेले कुल 821 रोगियों को लाभ दिया गया। 25 को पाटी में लगने वाला आयुष मेला निरस्त जिला आयुष अधिकारी डॉ. एचएस तोमर से प्राप्त जानकारी अनुसार 25 मई को पाटी में लगने वाला आयुष मेला अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। उक्त मेला अब 01 जून को पाटी में लगाया जायेगा।

स्वरोजगार दिवस पर वितरित किया ऋण

माही की गूंज, बड़वानी।

रोजगार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कलेक्टरेट सभागृह बड़वानी में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाईव प्रसारण हितग्राहियो, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियो-कर्मचारियों द्वारा देखा गया। कार्यक्रम के दौरान शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत 819 हितग्राहियो को 1000.09 लाख रूपये की ऋण राशि के स्वीकृति पत्रो का वितरण जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवंतसिंह पटेल द्वारा किया। उद्योग विभाग के महाप्रबंधक श्री केएस सोलंकी से प्राप्त जानकारी अनुसार बुधवार को रोजगार दिवस पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 5 हितग्राहियों को 90.90 लाख रुपये का, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 24 हितग्राहियो को 69.90 लाख रूपये का, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 112 हितग्राहियों को 23.70 लाख रुपये का, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत 9 दीदीयों को 16.20 लाख रुपये का, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत 1 समूहों को 1.50 लाख रुपये का, स्वसहायता समूह बैंक लिंकेज के तहत 225 हितग्राहियो को 550.00 लाख रूपये का, पीएमएसवाय अंतर्गत क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 1 हितग्राही को 20.00 लाख रूपये का, मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के तहत 5 हितग्राहियो को 12.00 लाख रूपये का, पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड के तहत 425 हितग्राहियों को 193.00 लाख रुपये का, पीएमएफएमई योजना के तहत 2 हितग्राहियो को 5.20 लाख रूपये का, भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के तहत 6 हितग्राहियो को 11.70 लाख रूपये का, टंटया माता आर्थिक कल्याण योजना के तहत 2 हितग्राहियो को 1.59 लाख रूपये का, संत रविदास स्वरोजगार योजना के तहत 2 हितग्राहियों को 4.40 लाख रुपये की ऋण राशि का वितरण किया जा चुका है। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंत सिंह पटेल, नगर मण्डल उपाध्यक्ष राजा परिहार, उद्योग विभाग के महाप्रबंधक केएस सोलंकी सहित बड़ी संख्या में विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही, बैंकों के पदाधिकारी व विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

गौरव महोत्सव के तहत हुआ कवि सम्मेलन का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

बड़वानी नगर गौरव महोत्सव के तहत मंगलवार की रात्रि में शहीद भीमा नायक महाविद्यालय बड़वानी के विशाल प्रांगण में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन के साथ कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग, जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल एवं नगर पालिका बड़वानी अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निक्कू चोहान ने किया। कवि सम्मेलन में संचालन वरिष्ठ कवि प्रकाश नागर ने किया, वही स्वस्तिवाचन व मां भारती का वंदना कवियत्री सुश्री साबिहा असर ने किया। युवा कवि शिवा इन्दौरी ने अपनी कविता में दिल्ली के श्रद्धा हत्याकाण्ड से युवतियों को प्रेरणा लेने की कविता सुनाई। वीर रस के कवि हिमांशु हिन्द ने देशभक्ति की कविता पाठ से भारत माता की जय के नारे से पाण्डाल गूंज उठा। हास्य रस के कवि कुलदीप रंगीला, विष्णु विश्वास एवं सुनिल समैया की कविताओं ने श्रोताओं को खूब हंसाया। कवि सम्मेलन में प्रेम एवं श्रृंगार रस की कवियत्री सुश्री सुमित्रा सरल एवं साबिहा असर की कविताएं भी समां बांधने में सफल रही । कवि सम्मेलन में सभी कवियों ने अपनी कविताओं में नारियों को सशक्त करने एवं अपने क्षमता को पहचानने की बात कही। इस दौरान कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग, जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे, जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, एसडीएम घनश्याम धनगर, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी चोहान, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता चोहान, नगर पालिका उपाध्यक्ष सुभाष भावसार, जिला महामंत्री विक्रम चोहान, महिला मोर्चा की श्रीमती जया शर्मा, सहायक आयुक्त नीलेश रघुवंशी, नगर पालिका बड़वानी सीएमओ भूपेन्द्र दीक्षित, नगर पालिका बड़वानी के पार्षदगण सहित सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में दूर-दराज क्षेत्रो से आये श्रोता उपस्थित थे।

कवियों को स्मृति चिन्ह किये गये भेंट अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के समापन के पश्चात् एसडीएम बड़वानी श्री घनश्याम धनगर, नगर पालिका बड़वानी अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निक्कू चोहान एवं जिला महामंत्री विक्रम चोहान ने सभी कवियों को बड़वानी नगर गौरव महोत्सव की स्मृति चिन्ह भेंट किये। इस दौरान सभी कवियों ने भी बड़वानी वासियों के प्यार के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। 25 मई को होगा गौरव महोत्सव का समापन बड़वानी नगर गौरव महोत्सव के छः दिवसीय कार्यक्रम का समापन बड़वानी जिले के स्थापना दिवस 25 को होगा। इस दौरान शहीद भीमा नायक महाविद्यालय बड़वानी के विशाल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका सुश्री गीताबेन रबारी एवं गायक अर्पित पंवार के गीतों की प्रस्तुति होगी।

मंदसौर-नीमच में 4 बार कांग्रेस व 2 बार भाजपा का हुआ सफाया

ऐसी जानकारी जिससे अभी तक आप पूरी तरह से वाकिफ नहीं होंगे। आपको बताएंगे कि मंदसौर-नीमच में भाजपा और कांग्रेस का कब-कब हुआ पूर्ण सफाया या यों कहें कि कब किसका हुआ सूपड़ा साफ।

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

मंदसौर-नीमच में जब भी मतदाताओं की खामोशी टूटती है तो किसी एक पार्टी को गंभीर खामियाजा उठाना पड़ता है। दोनों जिलों में कुल 7 विधानसभा सीट है। खामोशी वाला फैसला जब आता हे तो बड़े अंतर वाला ही आता है। ऐसा एक नहीं बल्कि 6 बार ऐसा हो चुका है जब किसी एक पार्टी का पूर्ण रूप से सफाया हुआ हो। 4 बार यह दर्द कांग्रेस ने झेला तो 2 बार जनता पार्टी-भाजपा झेल चुकी। विधानसभा चुनाव 2023 निर्णायक स्थिति की ओर बढ़ रहा है और दोनों जिलों से मंदसौर, गरोठ, सुवासरा, मल्हारगढ़, जावद, नीमच व मनासा जैसी सीटों पर मतदाता खामोश है। मालवा की इन सीटों के बारे में हम आपको बताएंगे

1972 में कांग्रेस सभी सीटे जीती, जनसंघ के प्रत्याशियों की हुई हार

पूर्ण रूप से सफाए का यह पहला मौका था जब कांग्रेस को सभी सीटों पर जीत मिली। मंदसौर से श्यामसुंदर पाटीदार, सीतामऊ से धनसुखलाल भाचावत, गरोठ से कस्तूरचंद समेत अविभाजित मंदसौर जिले के सभी उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। जनसंघ से सभी उम्मीदवार की हार हुई थी।

1977 में जनता पार्टी जीती, 2 मुख्यमंत्री बने

1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी थी और मंदसौर-नीमच की सभी सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ। इसी चुनाव में जनता पार्टी ने मंदसौर जिले से ही सुंदरलाल पटवा और वीरेंद्रकुमार सकलेचा जैसे दो विधायकों को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस के तमाम प्रत्याशी हार गए थे।

1990 में भाजपा जीती, मंदसौर से एक मंत्री दिया

1990 में भाजपा 7-0 से जीती। मंदसौर से भाजपा से कैलाश चावला, सीतामऊ से नानालाल पाटीदार, गरोठ से राधेश्याम मांदलिया समेत सातों प्रत्याशी जीते। इस चुनाव में कांग्रेस के तमाम दिग्गज चुनाव हार गए थे। भाजपा से कैलाश चावला मंत्री बनाए गए थे।

1998 में सातों सीटों पर कांग्रेस जीती, 3 मंत्री दिए

1998 में दोनों जिलों की सातों सीटों पर कांग्रेस जीती। मनासा से नरेंद्र नाहटा मंत्री बने, जावद से घनश्याम पाटीदार, गरोठ से सुभाष सोजतिया मंत्री बने। दोनों जिलों की सातों सीटों को कांग्रेस ने 7-0 से क्लीन स्वीप किया, कांग्रेस को लगातार दूसरी बार क्लीन स्वीप का मौका मिला। यहां भाजपा के सभी दिग्गज नेताओं को हार झेलना पड़ी थी।

2003 में सातों सीटों पर कमल खिला, 3 मंत्री हारे गए

2003 के चुनाव में मंदसौर-नीमच की सातों विधानसभा सीटों पर कमल खिला। खास बात ये रही कि अधिकांश भाजपा प्रत्याशी 25 हजार से ज्यादा मतों से जीते। कांग्रेस के मंत्री सुभाष सोजतिया, घनश्याम पाटीदार व नरेंद्र नाहटा भी चुनाव हार गए थे। सुवासरा में 35 हजार, मनासा में 25 हजार, मंदसौर में 22 हजार, गरोठ में 15 हजार, नीमच में 25 हजार मतों से कांग्रेस प्रत्याशी को हार झेलना पड़ी।

2018 में एक सीट कांग्रेस के पास आई मगर सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा में चली गई

2018 नीमच मंदसौर से एक सीट से हरदीप सिंह डंग चुनाव जीते मगर जल्द ही भाजपा की सदस्यता ले ली फिर सत्ता परिवर्तन के बाद हुए उप चुनाव में कांग्रेस की एक सीट भी भाजपा के खाते में चली गई और कांग्रेस का फिर से सफाया हो गया।

वीर शिरोमणि महाराणा पूंजा भील के गाता हेतु भूमि पूजन संपन्न

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बा के बाहर जोबट तिराहे के पास भील सेना द्वारा आलीया भील की धरा पर वीर शिरोमणि महाराणा पूंजा भील की स्मृति में एक गाता (मूर्ति) स्थापित करने हेतु भूमि चयन कर निर्माण स्थल पर भूमि पूजन भील सेना के संयोजक शंकर बामनिया तथा भील सेना के प्रदेश अध्यक्ष रमेश बघेल एवं भील सेना जिला अध्यक्ष चतर सिंह मंडलोई द्वारा भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन अवसर पर भील सेना के केनसिंह भूरिया, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष सारंग बामनिया, जिला मीडिया प्रभारी सचिन कटारिया, सुबला चंगोड़, सोहन पचाया,?जितेन्द्र बामनिया, वेस्ता बामनिया, जगदीश बामनिया, लक्ष्मण बामनिया, छीतु कटारिया, राजेश कटारिया, सरदार बामनिया,भारत वर्मा तथा ठेकेदार कालू सिंह भयडिया, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास माहेश्वरी, महेंद्र गुप्ता एवं राजू चौहान आदि उपस्थित रहे यहां पर आगामी दिनों में धूमधाम से गाता (मूर्ति) स्थापित की जाना है।

महिला के हत्यारे को मिली आजीवन कारावास की सजा

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र बड़ा इटारा में 3 जनवरी 2022 को हैंडपंप पर पानी भरने की बात पर हुई तू-तू मैं-मैं के बीच एक व्यक्ति द्वारा तीर मारकर महिला की हत्या करने वाले हत्यारे को न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास एवं 500 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

आम्बुआ पुलिस थाना पर तैनात थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि, ग्राम बड़ा इटारा हाबू फलिया में केशरीबाई पति लोगसिंह जो कि हेडपंप पर पानी भर रही थी। तभी दिनेश पिता अबलिया तीर कमान लेकर आया तथा महिला को गाली गलौज करते हुए यहां पानी भरने क्यों आई कह कर तीर चला दिया जो कि एक तीर जांघ में तथा दूसरा तीर सीने में लगने से केशरीबाई की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना पर आम्बुआ थाने पर अपराध क्रमांक 03/2022 धारा 302 के तहत प्रकरण कायम कर थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल द्वारा अनुसंधान में लिया जा कर विवेचना की जाकर आरोपी के खिलाफन्यायालय में प्रकरण जोबट न्यायालय में पेश किया गया। जहां पर न्यायालय द्वारा आरोप सिद्ध होने पर आरोपी को आजीवन कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। शासन की ओर से प्रकरण का संचालन सहायक लोक अभियोजन अधिकारी राजेंद्र मंडोड द्वारा किया गया।

अवैध रेत खनन रोकने गई पुलिस पर गांव वालों ने लाठी-डंडों से किया हमला

सीधी।

जिले में अवैध रूप से रेत खनन का मामला सामने आया था। खबर मिलने के बाद कार्रवाई करने गई पुलिस टीम पर दर्जनभर से ज्यादा ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। गांव वालों के इस हमले में दो पुलिस वाले घायल हुए हैं। गांव वालों द्वारा लाठी-डंडे से हमले का वीडियो भी सामने आया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। इस मामले में गांव वालों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस वाले उनसे पैसे की मांग कर रहे थे।

सीधी जिले के ग्राम भितरी में अवैध रेत उत्खनन की खबरें लगातार आ रही थीं। जानकारी मिलने के बाद रामपुर नैकिन थाना प्रभारी के निर्देश पर अवैध रेत का परिवहन रोकने के लिए एक टीम भितरी गांव पहुंची थी। यहां पुलिस टीम ने रेत का परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त कर लिया। जिसके बाद दर्जन भर से ज्यादा ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को छुड़ाने के लिए पुलिसकर्मियों पर लाठी और डंडों से हमला कर दिया। इसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए और दो अन्य को भी चोट आई हैं। इस पूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है, बाकी की तलाश की जा रही है।

यह घटना सोमवार के दिन की सीधी जिले के भीतरी की बताई जा रही है, जहां पर अवैध रेत का व्यापार हो रहा था। कुछ लोग रेत को ट्रैक्टर से चोरी कर ले जा रहे। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को पकड़ लिया गया। पुलिस की माने तो उसी दौरान दर्जन भर से ज्यादा ग्रामीण पहुंचे और ट्रैक्टर छुड़ाने के लिए मारपीट करने लगे। मंगलवार को इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। पुलिस ने इस मामले 6 लोगों के ऊपर नामजद सहित अन्य के ऊपर मामला दर्ज कर कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। बाकी के तलाश की जा रही है।

पुलिस पर लगाया पैसे मांगने का आरोप

वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि, पुलिसकर्मियों को लोगों के द्वारा किस तरह से पिटाई की जा रही है। 4 पुलिसकर्मी वीडियो में साफतौर पर देखे जा रहे हैं। वहीं ग्रामीणों द्वारा दौड़ा-दौड़ा कर पुलिस को लाठी और डंडों से मारा जा रहा है। हालांकि इस मामले में ग्रामीणों ने पुलिस पर पैसे मांगने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने रेत से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर लिया था उसके बाद पुलिस टीम ने रुपयों की मांग की। इसको लेकर विवाद हो गया। ग्रामीणों को पुलिस कर्मियों ने पीटना शुरू कर दिया इसके बाद पुलिसकर्मियों पर ग्रामीण हावी हो गए और उन्होंने लाठी और डंडों से हमला कर दिया।

खबर के बाद जागे अधिकारी, किया बोरवेल लेकिन निकला खाली, पेयजल की स्थिति जस की तस

माही की गूंज, उदयगढ़। खलील मंसूरी

उदयगढ़ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत आंबी के खारिया फलिया में आज भी पेयजल व्यवस्था यथावत बनी हुई है। माही की गूंज के यूट्यूब न्यूज़ चैनल पर प्रमुखता से समाचार प्रकाशित होने के 2 दिन बाद एक नलकूप खनन किया गया, जिसमें पानी नही निकला। जिसके बाद खारिया फलिया में अब भी लोग जीरी में उतर कर जीरे का पानी पीने को मजबूर है। जबकि वह पानी थोड़ा कम खारा पानी है जिससे आम जनता की किडनी और लीवर फेल हो सकते हैं। ऐसे ही दो नलकूप खनन किए गए थे जिसमें भी खारा पानी आ रहा है और वह बंद पड़े थे वह सुधार दिए गए हैं पर लेकिन खारा पानी होने की वजह से आम जनता पानी भरने नहीं जा रही। इसलिए जीरी का पानी लेने जाती है जो थोड़ा खारा कम है। इतना होने के बाद भी जिला प्रशासन व विभागीय अधिकारी कर्मचारियों पर जूं तक नहीं रेंग रही है कि आम जनता प्यासी मर रही है। इस मौसम में

पीएचई विभाग के द्वारा जितने भी हेड पंप के अंदर मोटर में उतारी गई वह एक भी चालू नहीं है जो हेडपंप चालू थे वह भी बंद हो गए है।

दिन दहाड़े फोरलेन पर बाईक सवार के साथ हुई लुट की घटना, फुलगांवड़ी के समीप दिया घटना को अंजाम

माही की गूंज, अमझेरा।

इन्दौर -अहमदाबाद फोरलेन पर बुधवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे फुलगांवड़ी के पास अज्ञात 4-5 बाईक सवारों ने बाईक सवार लोकेश पिता प्रेमसिंह सुर्यवंशी 22 वर्ष निवासी ग्राम घटोदा थाना अमझेरा के साथ लुटपाट की घटना को अंजाम देते हुए बाईक और मोबाईल लुट कर फरार हो गये। घटना के बारे में लोकेष सुर्यवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि वह दवाई कंपनी के लिए काम करता है तथा फिल्ड में जाने के लिए घर से अपनी बाईक वाहन क्रं. एमपी 13 एफटी 8998 से मांगोद होते हुए फोरलेने से कंजरोटा के लिए जा रहा था तभी फुलगांवड़ी गुर्जर ढाबे के पास 4-5 बदमाश जो दो मोटरसाईकिल से मेरे पास आये और मेरी गाड़ी रोक ली एवं मेरे साथ मारपीट करते हुए मेरी मोटरसाईकिल और मेरा मोबाईल लुट कर सरदारपुर की तरफ फरार हो गये। फरियादी लोकेश के द्वारा इस मामले में सरदारपुर थाने में आवेदन दिया गया है।

आरोपी को पकड़ने गए थे डीएसपी, मिल गया लाचार, साधना सिंह ने लिया संज्ञान

ग्वालियर। जिले के घाटीगांव सर्किल के अनुविभागीय अधिकारी संतोष पटेल की मानवीय पहल को खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की पत्नी साधना सिंह ने अपने संज्ञान में लिया है। उन्होंने एक गरीब बेबस और आदिवासी मजदूर की अचानक देखने और सुनने की शक्ति खत्म हो जाने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण मानते हुए उसके यथासंभव इलाज के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, घाटीगांव इलाके में हुई एक वारदात के सिलसिले में आरोपी को तलाशने के लिए एसडीओपी संतोष पटेल नया गांव स्थित क्रेशर कॉलोनी गए थे। वहां उन्होंने चिलचिलाती गर्मी में पेड़ के नीचे बैठे पानी मांग रहे युवक को देखा तो उनसे रहा नहीं गया उसके शरीर पर सिर्फहाफपैंट थी। युवक के पास जाकर उन्होंने उससे बात करने की कोशिश की लेकिन न तो वह उनकी बात सुन रहा था न ही देख पा रहा था। पड़ताल करने पर पता चला कि 4 महीने पहले तक यह युवक इंदर सिंह आदिवासी अच्छा भला था और मजदूरी के लिए सागर-बीना गया हुआ था। वहां उसके साथ क्या अनहोनी हो गई। इस हादसे में उसकी देखने और सुनने की क्षमता खत्म हो गई। युवक और उसके माता-पिता की लाचारी देख मानवीय पहलुओं पर पैनी नजर रखने वाले संतोष पटेल ने इंदर सिंह की कहानी को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डाला था। इस पोस्ट में उन्होंने मुख्यमंत्री को भी इस खबर को लेकर टैग किया था।

पोस्ट करने के बाद मुख्यमंत्री की पत्नी साधना सिंह का ध्यान इस ओर गया उन्होंने इंदर सिंह के साथ हुई घटना को गंभीर माना और उन्होंने जयारोग्य प्रशासन को निर्देशित किया कि हर हाल में इस गरीब मजदूर और आदिवासी युवक का यथासंभव इलाज किया जाए। वहीं उन्होंने घाटीगांव एसडीओपी संतोष पटेल से मरीज के बारे में पूरी जानकारी हासिल की। इस बीच एसडीओपी ने साधना सिंह को बताया कि वह खुद ही नया गांव की क्रेशर कॉलोनी में रहने वाले इंदर सिंह आदिवासी को लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। जैसे ही एसडीओपी मंगलवार सुबह आदिवासी युवक को अपने साथ लेकर हजार बिस्तरों वाले अस्पताल में पहुंचे। वहां के संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक डॉ. आरकेएस धाकड़ चिकित्सकों की टीम के साथ उन्हें अटेंड किया।

अधीक्षक एवं नेत्र विशेषज्ञों तुरंत ही इस पीड़ित युवक को अपने सुपर विजन में लिया और उसे आई वार्ड में भर्ती कराया। जयारोग्य अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आरकेएस धाकड़ ने मरीज के साथ ही उसके परिजनों के रहने और खाने-पीने का इंतजाम करने के भी निर्देश दिए हैं। जो ठेकेदार उसे मेहनत मजदूरी के लिए यहां से लेकर गया था, वह होली के पर्व के दौरान उसे नया गांव स्थित क्रेशर कॉलोनी में माता-पिता के पास छोड़ गया। जब युवक के माता-पिता ने अपने जवान बेटे की ऐसी हालत देखी तो वे परेशान हो गए, लेकिन गरीब और अशिक्षित होने के कारण से युवक को कहीं भी दिखाने के लिए नहीं ले जा पा रहे थे।

नारी सम्मान योजना मील का पत्थर साबित होगी- पटेल

बरझर क्षेत्र के ग्राम खुटाजा में एक हजार से अधिक फार्म हुए पंजीकृत

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल एवं नगरपालिका अध्यक्ष सेना पटेल के नेतृत्व में जोबट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बड़ा खुटाजा मे कांग्रेस सरकार की महत्वकांक्षी नारी सम्मान योजना को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब एक हजार से अधिक महिलाओं के नारी सम्मान योजना के फार्म पंजीयन किए गए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष केसरसिंह डावर, कार्यवाहक अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मातृ शक्तियों का बढ़ाया सम्मान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल ने कहा कि, केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार जन विरोधी नीतियों से किसान, आदिवासी, दलित एवं पिछड़ा तबका परेशान है, साथ ही अधिकारी-कर्मचारी वर्ग भी परेशान है। भाजपा पूंजीपतियों की पार्टी है, जबकि कांग्रेस गरीब वर्गों की पार्टी है, भाजपा गरीब वर्गों का शोषण करती है। कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता एकजुट हो जाए, आगामी विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रदेश की प्रत्येक महिलाओं को नारी सम्मान योजना के तहत पंद्रह सौ रुपए प्रतिमाह और रसोई गैस सिलेंडर पांच सौ रुपये में दिया जाएगा। यह योजना प्रदेश मे मिल का पत्थर साबित होगी। वहीं कांग्रेस द्वारा 100 रुपये में 100 यूनिट बिजली दी जाएगी।

पटेल ने बताया कि, जोबट विधानसभा क्षेत्र में अभी तक पंद्रह हजार से अधिक नारी सम्मान योजना के फार्म पंजीयन किए गए हैं और यह प्रकिया आगे भी जारी रहेगी। नगर पालिका अध्यक्ष सेना पटेल ने कहा कि आज मध्यप्रदेश में मातृ शक्तियों पर अत्याचार और अपराध के मामले तेज़ी से बढ़ गए हैं, मामा शिवराज के राज में प्रदेश की बहन, बेटियां और भांजीया सुरक्षित नहीं है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने नारी सम्मान योजना लागू कर प्रदेश की महिलाओं का मान सम्मान बढ़ाया है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष केसरसिंह डावर एवं कार्यवाहक अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर ने कांग्रेसी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को आपसी मतभेद भुलाकर कांग्रेस पार्टी के हित में कार्य करते हुए बूथ स्तर पर मजबूत बनाने की अपील की। कार्यक्रम मे सहभोज का आयोजन किया गया तथा अंत मे ग्रामीणों द्वारा ढोल-ढमाकों के साथ एक रैली निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता एवं

कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर आजाद नगर ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष हरीश भाभर, वरिष्ठ नेता मदन डावर, एडवोकेट हनीफ खान, सानी मकरानी, रमिला भूरिया, राजेश जैन, फिरोज खान, राहुल परिहार, सोनू वर्मा, विशाल अरोड़ा, भारता भाई, मयंक सोनी, रमेश भाई, कुंवरसिंह, बाथू भाई, शब्बीर बोहरा, केसरी बाई परमार, रमणि चौहान, सविता भाभर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण महिलाएं-पुरुष उपस्थित थे।

कुकुरमुत्तों की तरह पैदा हुए दलालों ने भू-माफियाओं के साथ मिलकर प्रॉपर्टी व्यवसाय को बना दिया आतंक का पर्याय

मीठा-मीठा गट, कड़वा-कड़वा थू के साथ दलाल कलेक्टर और न्यायालय तक को भी अपने जेब में रखने की करते हैं बात

बदनियति ऐसी की अपनी हानि-लाभ के चलते जातिवाद व संगठन के नाम से झूठे अपराध दर्ज करवाने में नहीं हटते पीछे

माही की गूंज, झाबुआ/खवासा।

कहा जाता है कि, जहां नीयति है वहीं पर बरकत है, लेकिन प्रॉपर्टी दलालों व भू-माफिया ने इस कहावत को उलट कर दिया और जहां बद नियति है वहीं बरकत है कि, कहावत को चरितार्थ करते हुए कुकुरमुत्ततो की तरह पनप रहे इन प्रॉपर्टी दलालों ने बदनियति के साथ अपने लाभ के लिए प्रॉपर्टी व्यवसाई को आतंक का पर्याय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। दलालों के वक्तय ऐसे की सार्वजनिक रूप से कहते हैं आप तो बताओ क्या काम है और किससे काम है थानेदार से, तहसीलदार से, एसडीएम से, कोई बाबू से, कलेक्टर से या फिर न्यायालय तक के मजिस्ट्रेट से कोई भी काम हो सभी वैधानिक तो ठीक अवैधानिक कार्य उनसे करवाने की माद्दा रखते हुए कहते हैं आप तो हमें पैसा दो बस हम आपका सब काम करवा देंगे और अपनी इतनी बड़ी-बड़ी बातों के साथ लोगों को अपनी गिरफ्त में लेने में कुकरमुतो की तरफ पनपे दलाल सफल हो जाते हैं।

अलटा-पलटी के साथ चल रहे प्रॉपर्टी के सौदे, नए बकरे की तलाश में रहते हैं दलाल

प्रोपर्टी दलाल को भी एक लाइसेंस लेना होता है और उस दलाल को मार्केट मूल्य से प्रापर्टी का क्रय-विक्रय करवाने के साथ जिसमें संपत्ति का क्रय-विक्रय मूल्य के साथ इसकी संपूर्ण जानकारी संबंधित विभाग को देना होती है। लेकिन पूरे जिले में शायद ही ऐसा कोई प्रॉपर्टी दलाल होगा जो लाइसेंस धारी हो। जमीनों की इस हेरा-फेरी व अलटा-पलटी के सौदों के साथ जमीन एवं मकानों के भाव आसमान पर पहुंचा दिए और सांठ-गांठ व राजनीतिक रसूख व कुछ आर्थिक प्रभावी लोगों ने बिकने वाली हर संपत्ति पर उनकी नजर रहती है और यह प्रभावी दलालों के टच में रहकर प्रॉपर्टी की खरीद की बात करते हैं और दलाल भी ऐसे प्रभावियो के साए में रहकर कार्य कर टोकन मनी के साथ उन्हें जमीन व मकान दिला देते हैं और बाजार में यह कुकुरमुत्तो की तरह पनपे दलाल ऐसे टोकनधारी भू-माफिया के पक्ष में दिलायी हुई प्रॉपर्टी उदाहरण के लिए 50 लाख में दिलाई जाती है तो उसी प्रॉपर्टी को सेम डे या दूसरे दिन ही नए बकरे की तलाश की जुगत में लग जाते हैं और टोकनधारी भू-माफियाओं को दिलाई गई 50 लाख की उस जमीन का मूल्य 1 दिन में 65 से 70 लाख रूपये में टोकनधारी द्वारा प्रॉपर्टी को खरीदना बताकर लाख-दो लाख ऊपर देकर उक्त प्रॉपर्टी मकान या जमीन नए व्यक्ति को दिलवा देने की बात कहते हैं और दोनों तरफ से दलाली की बात भी कही जाती है।

बदनीयति के साथ धन अर्जित करने वाले यह दलाल सीधे रूप से उस 50 लाख में टोकनधारी को दिलाई गई प्रॉपर्टी को सीधे एक दिन में ही उल्टा-पलटी के नाम पर ही 20 से 25 लाख रुपए लाभ दिलाने की बात करते हैं और ऐसे में कोई न कोई बकरा इनके चंगुल में फंस जाता है, तो सीधे रूप से उस 50 लाख की प्रॉपर्टी को दलाल के कहने पर 65 से 70 लाख की मान लेता है और जो भी 2-3 लाख रूपये उस दलाल के बताए हुए मूल्य से ऊपर नए बकरे से दिलवाकर उस प्रॉपर्टी का विक्रय तो टोकनधारी भू-माफिया से करवा दी जाती है। ऐसे में सीधे रुप से 50 लाख रूपये की प्रॉपर्टी का 70 से 75 लाख रुपय में बिकवाकर टोकनधारी भू-माफिया को 20 से 25 लाख का लाभ करवा देते है। जिससे 1-2 प्रतिशत राशि दलाल टोकनधारी भू-माफिया से ले लेता है वह्री क्रेता से भी 1 प्रतिशत राशि दलाली के रूप में वसूल लेता है। इस तरह से कुकुरमुतो की तरह पैदा हुए यह फर्जी दलाल एक नए व्यक्ति को बकरा बना कर पूरी तरह से हलाल कर प्रॉपर्टी की कीमत एक ही दिन व रात में कहां से कहां पहुंचा देते हैं।

मीठा-मीठा गट, कड़वा-कड़वा थू

इसी अदला-बदली के गोरखधंधे में टोकनधारी भू-माफियाओं को कोई प्रॉपर्टी दलाल के कहने पर उसे अतिरिक्त मूल्य पर बिकवा देने की बात पर दिला देता है, ऐसे में अगर ऐसी महगी प्रॉपर्टी का ग्राहक मिल जाता है और यह दलाल टोकनधारी को दिलाई उस प्रॉपर्टी को भी 10 या 20 प्रतिशत के टोकन मनी पर उस प्रॉपर्टी को बेच देता है।0 लेकिन यहां नए व्यक्ति को जब पता चलता है कि, यह फर्जी दलाल ने टोकनधारी भू-माफिया से यह प्रॉपर्टी कई अधिक दाम में दिलवा दी है तो उस स्थिति में 10 प्रतिशत टोकन देने वाला व्यक्ति अपनी राशि जाति हुई कर उस सोदे को कैंसिल कर देता हैं। तो ऐसे टोकनधारी भू-माफियाओं जिसमें व्यवसायिक, व्यवहारिकता क्षणिक भी नहीं है वह साई गई खाई में कह कर रुपया नहीं देता है। वही जिस व्यक्ति से प्रॉपर्टी खरीदता है उससे सौदा कैंसिल कर टोकनधारी भू-माफिया अपनी नॉमिनल दी हुई टोकनमनी भी अपने राजनीतिक रसूख एवं अपने प्रभाव का हवाला देकर वक्त आने पर दादागिरी से भी अपनी वसूली कर लेता है। यानी कि सीधे रूप से ऐसे टोकनधारी भू-माफिया फर्जी दलालों के माध्यम से अपने दादागिरी के साथ हींग लगे न फिटकरी रंग भी आये चोखा के साथ सामने वाले व्यक्ति से साईं के रूप में मिली राशि मुनाफे के रूप में कमा लेते हैं। और मीठा-मीठा गट, कड़वा-कड़वा थू की कहावत को चरितार्थ करते है। लेकिन कई ऐसे ही अदला-बदली में किसी नए व्यक्ति से सौदा कर मुनाफा देने की बात आती है तो ऐसे टोकनधारी भू-माफिया सामने वाले को अपने आतंक का परिचय देकर उसे मुनाफे की राशि देने से इंकार कर देते हैं और कुकुरमुतो की तरह पैदा हुए दलाल भी जिन्हें व्यापारिक व्यवहार से कोई लेना देना नहीं होता है चुंकि ऐसे टोकनधारी भू-माफिया का सहयोग कर झूठे अपराध तक दर्ज करवाने पर उतारू हो कर इस व्यवसाय को आतंक का पर्याय बना दिया।

ऐसा ही एक उदाहरण थांदला थाने के खवासा में देखने को मिला। खवासा निवासी रमेश बारिया पुलिस नौकरी छोड़ राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखा। वही राजनीति में कदम रखने के साथ ही खवासा पंचायत के सरपंच बने, भाजपा के मंडल अध्यक्ष बने और विधायक की उम्मीदवारी भी 2018 में पेश की। वहीं वर्तमान पंचायत चुनाव में जिला पंचायत चुनाव लडा और जयस उम्मीदवार युवा महिला शक्ति रेखा निनामा के सामने हार का सामना करना पड़ा। रमेश बारिया ने राजनीति में कदम रखने के साथ प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त भी शुरु की। हमें भी किसी के निजी व्यवसाय से कोई लेना-देना नहीं। हमारी कलम ने भी सदैव यही चाहा कि, हर व्यक्ति सक्षम व समृद्ध बने और सदैव अच्छे कार्यों में माही की गूंज ने रमेश बारिया का समर्थन भी किया। माही की गुंज अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता से अभिभूत है और जहां कहीं की अनैतिक कार्य या वो व्यापार जो क्षेत्र की शांति फिजा में खलल उत्पन्न करें और आतंक का पर्याय बने या भ्रष्टाचार में कोई लिप्त हो ऐसे में हमारी कलम आमजन के हित में सदैव चली है व सदैव चलती रहेगी। आज हमारी निष्पक्ष पत्रकारिता के साथ खुलासा करते हैं कि, किस तरह से रमेश बारिया ने अपने क्षणिक लाभ-हानि के लिए एक अदने से व्यक्ति के साथ दादागिरी कर गलत तरीके से अपने निजी लाभ के लिए जातिवाद व संगठन का नाम लेकर आपसी भाईचारे में सेंध लगाने का काम कर जो कृत्य किया है जो शर्मिंदगी लायक ही कहा जा सकता है।

दबाने व धमकाने के लिए की झुठी रिर्पोट

मामला यह है कि, एक स्कूल भवन व परिसर पिछले वर्ष रमेश बारिया ने सौदाकर भामल निवासी विनोद सोलंकी को करीब 17 से 20 लाख रूपये ऊपर में विक्रय कर सीधा विक्रय एग्रीमेंट स्कूल संचालक व विनोद सोलंकी के मध्य करवा दिया। वहीं विनोद सोलंकी की पत्नी के नाम से एक खवासा में स्थित बाजना मार्ग पर 20 बाई 50 का प्लाट स्कूल के सौदे में 50 लाख में बेच 50 लाख रूपये सीधे रुप से टोकनमनी के रूप में जमा करवा दिए। विनोद सोलंकी के लिए उक्त प्लाट को एक उभरते व्यापारी युवा धर्मेंद्र शांतिलाल भटेवरा को 52 लाख में बेच यहां भी बारिया ने सीधे विनोद सोलंकी से स्टांप पर एग्रीमेंट करवाकर बिक्री किया गया। यहां तक तो सब ठीकठाक था लेकिन टोकनधारी रमेश बारिया जमीन व मकान की अदला-बदली के व्यवसाय के साथ एक अन्य मकान 90 लाख के करीब में मनोज चौहान से दलाल के माध्यम से खरीदा।

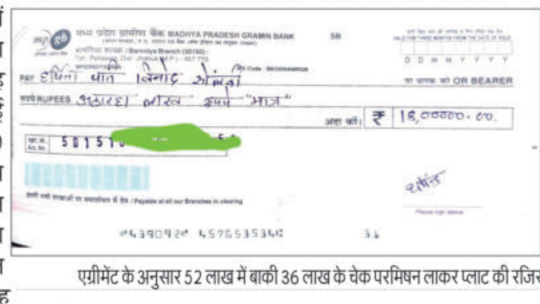

एग्रीमेंट के अनुसार 52 लाख में बाकी 36 लाख के चेक परमिषन लाकर प्लाट की रजिस्ट्री करवाने हेतु विनोद सोलंकी को देना चाहा लेकिन विनोद चेक लेने से करता रहा इंकार।

उक्त मकान के बदले धर्मेंद्र भटेवरा को बेचा हुआ 52 लाख का प्लाट 70 लाख रुपए के करीब में मनोज को बेचना बताया जा रहा है जो कि बाले बोल धर्मेंद्र या विनोद की बिना जानकारी के ही बेच दिया। वही बेचने के बाद एक उभरते युवा दलाल के साथ बामनिया धर्मेंद्र भटेवरा की दुकान पर उक्त बेचे हुए प्लाट को धर्मेंद्र से वापसी खरीदने के लिए रमेश बारिया पहुंचे, जहां धर्मेंद्र के माध्यम से पता चला कि, उक्त प्लाट का एक अन्य व्यापारी उसके निजी उपयोग के लिए 63 से 64 लाख में लेने को तैयार है। जब यह बात रमेश बारिया को पता चली तो आश्चर्यचकित हो गया। चूँकि उक्त प्लाट वाले बाल ही 70 लाख में बेच आया था इसलिए इस प्लॉट को किसी भी कीमत में खरीदने के बाद भी रमेश बारिया का फायदा ही दिख रहा था। इसलिए 63 लाख में बिना किसी एग्रीमेंट के ही वापस रमेश बारिया ने वह प्लाट खरीद लिया। वहीं 52 लाख के सौदे पेटे धर्मेंद्र भटेवरा 16 लाख रूपये सीधे विनोद सोलंकी के हाथों में दे चुका था। जिसे बारिया ने 16 लाख प्लस मुनाफे के 11 लाख कुल 27 लाख अक्टूबर 2022 के आखिरी सप्ताह तक देने की बात कही, लेकिन बारिया ने 16 लाख रूपये देने के बाद 11 लाख रूपये आजकल में दूंगा कहकर बाकी रखे। वही मनोज चौहान से खरीदा हुआ मकान करीब एक करोड़ 1 लाख में 11 लाख साई पेटे लेकर सुशील कनकमल जैन को बेचा। करीब 7-8 माह बाद सुशील ने उक्त महंगे माकन के पैसे की व्यवस्था नहीं होने के कारण सौदा कैंसिल कर दिया। वही बारिया ने साई गई खाई में कहकर 11 लाख कमाकर मनोज के साथ भी मकान का सौदा केंसल कर दिया। मनोज ने भी बारिया से लिया 70 लाख का प्लाट वापस कर दिया और धर्मेंद्र को मुनाफे के 11 लाख देने में आनाकानी करता रहा। उसी प्लाट को कुकुरमुत्ता की तरह पैदा हुए दलाल टोकनधारी बारिया को फायदा पहुंचाने के लिए एक नए मुर्गे की तलाश में निकले और फोन लगाकर उक्त प्लाट को 80 लाख तक में बेचना बताया गया। लेकिन कोई बकरा कुकुरमुत्ता रूपी दलालो को नहीं मिला। बात माही की गूंज कार्यालय तक पहुंची की टोकनधारी बारिया, मीठा-मीठा गट, कड़वा कड़वा थूक कर धर्मेंद्र को सौदे अनुसार 11 लाख रुपए वापस नहीं दे रहा है और उसके बदले में गाली-गलौज के साथ एक्टोसिटी में फंसाने की धमकी दे रहा है। तो इस संबंध में रमेश बारिया से बात होने पर गूंज प्रतिनिधि को बारिया ने बताया कि, किसी प्रकार का कोई 63 लाख का सौदा नहीं किया और नहीं कोई एग्रीमेंट है, धर्मेंद्र मेरे से किसी प्रकार का पैसा नहीं मांगता है, विनोद सोलंकी से धर्मेंद्र ने प्लाट खरीदा है उस एग्रीमेंट मे मेरा कोई लेना-देना नहीं है, धर्मेंद्र सीधा विनोद सोलंकी से संपर्क कर उसके बाकी रूपये देकर रजिस्ट्री करवाए मुझे कोई आपत्ति नहीं कहा। जिसके बाद धर्मेंद्र ने विनोद को 36 लाख रूपये के चेक से राशि प्राप्त कर रजिस्ट्री करवाने की बात कही, जिसके बाद बारिया अपनी सारी मर्यादाए, व्यवहार को ताक में रख अपनी ही बात से पलटकर अपना अंतिम हथियार अपनाकर जातिवाद को बीच में लाकर झूठा प्रकरण बनवाने हेतु पुलिस चौकी खवासा में लिखित शिकायत दर्ज की। जिसमें धर्मेंद्र ने रमेश बारिया को धमकाकर 63 लाख में प्लाट देने का हवाला दिया। साथ ही जहां विनोद से धर्मेंद्र द्वारा खरीदा प्लाट में कोई लेना-देना नहीं बताया उसे बारिया ने 50 लाख में विनोद से खरीदना व 52 लाख में धर्मेंद्र को बेचना रिर्पोट में बताया। साथ ही रिपोर्ट में संदीप की चाय की होटल पर धर्मेंद्र ने गंदी गालियां देना बताकर दो गवाहों के नाम के साथ उन्हें अपमानित किया गया दर्शाया। ताकी धर्मेंद्र को पैसा नहीं देना पड़े और उस पर एक्टोसिटी का मामला दर्ज हो जाए।

धर्मेंद्र भी जेल जाने को हो गया रेडी

बारिया की रिपोर्ट के बाद सत्य परेशान हो सकता है पर पराजित नहीं। की तर्ज पर धर्मेंद्र भी जेल में जाने को तैयार हो गया और मंगलवार को खवासा चौकी पहुंच गया जहा पुलिस को कहा मैंने कोई अपराध किया हो तो मुझे जेल पहुंचा दो लेकिन बारिया जी मेरे लिए सम्मानीय हैं और मैंने किसी प्रकार से उनका अपमान नहीं किया है पुलिस को कहा। वही पुलिस ने रमेश बारिया को चौकी पर बुलाकर आपस में बात करवाई, दिनभर की बहस के बाद 11 लाख के बदले साढे तीन लाख धर्मेंद्र को देकर मामले को सुलटाया। यह तय था रमेश बारिया की रिपोर्ट पर पुलिस मामला तो दर्ज कर लेती पर न्यायालय में रमेश बारिया द्वारा लिखी गई झूठी रिपोर्ट को सिद्ध करना पुलिस व बारिया जी को भी भारी पड़ जाता। गुंज क्षेत्र में शांति व्यवस्था चाहता है क्षेत्र में कोई भी व्यापार जो आतंक का पर्याय बनेगा उस पर गुंज की पेनी नजर रहेगी और आगे भी क्षेत्र में हो रहे प्रॉपर्टी के खरीद-फरोख्त पर अब गूंज की पूरी नजर रहेगी ताकि भविष्य में कोई पुनरावृत्ति न हो।

खाटू श्याम के बड़े भक्त कहे जाने वाले बंटी सोनी को हिंदू देवी-देवताओं पर गलत टिप्पणी करना पड़ा भारी

आयोजकों व श्याम प्रेमियों ने आयोजन के बाद घेरा बंटी सोनी को, बिना जवाब दिए उल्टे पांव भागना पड़ा

अन्य देवी-देवताओ पर अभद्र टिप्पणी पर श्याम प्रेमीयो ने ढोंगी भक्त गायक बंटी सोनी को घेर कर किये सवाल तो बिना जवाब दिये सोनी लोटे उल्टे पाव।

बालाजी एंव राधा-कृष्ण के भजनो की प्रस्तुति व उक्त नृत्य पर भी बंटी सोनी ने की टिप्पणी बताया मंनोरजन का साधन।

आयोजक समिती ने की बंटी सोनी के कहे अनुसार पुरी व्यवस्था।

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पांचाल

साधु-महात्माओं या फिर किसी भगवान के प्रति अपनी अटुट भक्ति को समय के साथ इंसान अपनी आकांक्षाओं के साथ बदलते रहता है यह अक्सर देखा गया है। कभी साईं की भक्ति में भक्त अपनी आस्था रखने के साथ एक तरफा उनकी आराधना करना वहीं कहीं शिव, कभी खाटू श्याम तो कभी अन्य देवी-देवताओं के प्रति आस्था रखने के साथ बड़ी मात्रा में एक तरफा उस धार्मिक स्थान पर जाना एवं समय के साथ अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति नहीं होने पर अन्य भगवान की आराधना में भक्तों का जुड़ना एक आसान सी बात हो गई है। हम सभी देवी-देवताओं पर अपनी आस्था रखते हैं और सभी धर्मों का सम्मान भी करते हैं।

इसी प्रकार साधु महात्माओं के प्रति भी अपना रुख समय के साथ बदलते देखा जाता है। वर्तमान में हारे का सहारा कहे जाने वाले भगवान खाटू श्याम जी भगवान की आराधना में भक्तों का तांता लगने लगा है। श्री खाटू श्याम भगवान का राजस्थान के सीकर जिले में विख्यात मंदिर है। उक्त स्थान के बारे में कहा जाता है कि, यह स्थान 1 हजार वर्ष से अधिक पुराना है जिसे 1720 में अभयसिंह जी के द्वारा मंदिर का पुनः निर्माण कराया गया। उक्त मंदिर में भीम के पोत्र व घटोत्कच के जेष्ठ पुत्र बर्बरीक के सिर की पूजा, वही बर्बरीक के धड़ की पूजा हरियाणा के हिसार जिले के स्याहड़वा स्थित मंदिर में होती है।

खाटू श्याम भगवान के दर्शन विशेष रूप से ग्यारस पर श्रद्धालु करने जाते है। वही ग्यारस पर जो भी खाटू श्याम के गायक कलाकार है वह भी अधिकांश मंदिर पर पहुंचते हैं और वहां अलग-अलग स्थान पर संगीतमय भजनों की प्रस्तुतियां देते है।

उक्त खाटू श्याम के भजनों की प्रस्तुति के साथ अलग-अलग क्षेत्र के गायक कलाकारों ने अपने व अपने आसपास के क्षेत्र में खाटू श्याम के आने वाले भक्तों को अपने -अपने गांव में भी खाटू श्याम की भजन संध्या करने हेतु प्रेरित किया। वही जो भक्त अटुट विश्वास के साथ नियमित सुबह-शाम पूजा करता है उन्हे खाटू श्याम के सिर की मूर्ति शीला भी देकर खाटू श्याम के प्रति आस्था हेतु सभी को प्रेरित किया।

इसी तारतम्य में झाबुआ-अलीराजपुर क्षेत्र की बात करें तो यहां पर मक्सी निवासी बंटी सोनी ने गांव-गांव में भजन संध्या करवाने हेतु पहले स्वयं का कोई चार्ज नहीं लेकर भजन संध्या में अपने भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। वहीं अब 50 हजार से लेकर 1 लाख रूपये तक भजन संध्या में आकर खाटू श्याम भजनों की प्रस्तुति देने के लिए चार्ज लिया जाता है। वहीं जहां भी खाटू श्याम के भजनों के गायक बंटी सोनी जहां पर भी भजनों के आयोजन होते हैं और जहां उन्हें बुलाया जाता है वहां पर पूरी आधुनिक साज- सजा व वाद्ययंत्रो की व्यवस्था, आयोजकों को बंटी सोनी के कहे अनुसार ही पूरी व्यवस्था करनी होती है। आयोजक समिति भी जी जान के साथ अर्थव्यवस्था के साथ सारी व्यवस्था बंटी सोनी के कहे अनुसार करते भी है, पर अगर कोई किसी भी अन्य भगवान के प्रति आस्था रखता हो उसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं रहती। लेकिन अन्य देवी-देवताओं पर कोई गलत तरीके से टिप्पणी करता है तो उसे किसी भी स्थिति में सही नहीं कहा जा सकता है।

अपने आप को बड़ा श्याम भक्त कहने वाला, नही करता श्याम प्रेमीयो पर भी विष्वास, अन्य देवी-देवताओ पर अभद्र टिप्पीण करने वाला सोनी ने आयोजन मे आने के लिए एक माह पहले लिये 20 हजार और 45 हजार लेकर चढा मंच पर, आस्था के साथ खिलवाड़ कर आयोजन को धुमिल करने वाला बंटी सोनी मक्सी।

बंटी सोनी ने खाटू श्याम की भजन संध्या में भगवान के भजनों की प्रस्तुति व उन भजनो पर स्थानीय श्रद्धालुओं द्वारा भगवान की तरह वेशभूषा पहनकर नृत्य प्रस्तुति देने पर गलत टिप्पणी करना बंटी सोनी को भारी पड़ गया और उसे उल्टे पांव लौटने को मजबूर होना पड़ा। यह सब पलवाड क्षेत्र के ग्राम मदरानी में देखने को मिला। जहां 22 मई की रात्रि में एक भव्य खाटू श्याम के भजन संध्या का आयोजन स्थानीय श्याम प्रेमियों ने आयोजित किया। जिसमें मुख्य गायक कलाकार के रूप में बंटी सोनी को आमंत्रित किया और बंटी सोनी (मक्सी) को आमंत्रित किया और बन्टी सोनी के दिए निर्देशन के अनुसार ही आयोजन की सारी व्यवस्था वाद्ययंत्रों के साथ ही की गई। वही बंटी सोनी ने आयोजन में आकर 1 घंटे की अपनी प्रस्तुति देने हेतु 65 हजार रूपये लेना तय किये। जिसमे टोकन के रूप में 21 अप्रैल को ही अपने बैक अकांउट में 20 हजार रूपये आयोजक समिती से प्राप्त करने के बाद आयोजन में आने की हॉं कही। वहीं दूसरी गायक कलाकार पूजा प्रजापत निवासी जावरा को आमंत्रित किया। पूजा प्रजापत ने मात्र 10 हजार रूपये में आई। 22 मई की मदरानी की उक्त भजन संध्या की शुरुआत बाबा का दिव्य दरबार सजाने के बाद बाबा की ज्योत प्रज्वलित करने के बाद शुरू की गई। सेकड़ो भक्तों ने ज्योत में घी की आहुति दी गई। भजन संध्या की शुरुआत गणेश वंदना के साथ की गई। साथ ही खाटू श्याम भजनों के साथ मिक्स धार्मिक भजनों की प्रस्तुतिया दी जिसमें बालाजी व राधा कृष्ण के शानदार भजनों की 2 घंटे से अधिक जावरा से आई गायक कलाकार पूजा प्रजापत ने दी। पूजा प्रजापत के सुमधुर भजनों पर हर कोई नृत्य करने लगा। तथा बालिकाएं राधे-श्याम की वेशभूषा में तो बालाजी के भजनों पर हनुमान जी के रूप में वस्त्र धारण के साथ वानर सेना के रूप में स्टेज पर आकर नृत्य किया। उक्त भजन व नृत्य की प्रस्तुतियों पर पांडाल में जय श्री राम व राधे-कृष्ण की गूंज, गूंज उठी।

बंटी ने किया बंटा ढाल

उक्त सफलतम आयोजन को असफल बनाने का कृत्य करने वाले आयोजन के मुख्य गायक कलाकार बंटी सोनी ने आयोजक समिति से पहले तय हुए अपने 65 हजार में से बाकी के 45 हजार रूपये लिए जिसके बाद अपनी 1 घंटे की प्रस्तुति देने मंच पर पहुंचे। अपनी प्रस्तुति के बीच में बालाजी और राधा-कृष्ण की रासलीला नृत्य को मनोरंजन का अड्डा बता दिया और आयोजकों को भी फटकार लगाते हुए कहा श्याम बाबा के दरबार में नाच-गाना नहीं चलता है। वही श्याम प्रेमियों द्वारा मुख्य आगमन गेट पर श्याम बाबा के लगे बैनर व कटआउट पर भी आयोजकों को नीचा दिखाने के लिए अभद्र टिप्पणी करने के साथ बंटी सोनी ने कहा खाटू श्याम की भजन संध्या में सिर्फ खाटू श्याम के भजन ही होना चाहिए, अन्य किसी भगवान के भजन नहीं गाना और नहीं कोई झांकीयो की प्रस्तुति करना चाहिए कहा।

बन्टी सोनी के द्वारा सरेआम मंच से इस तरह से अन्य भगवान के भजन नहीं होना चाहिए, अन्य झाकिया नहीं होना चाहिए और बाहर लगे बैनर, कटआउट आदि के बारे में दी गई अभद्र टिप्पणी पर श्याम प्रेमी आयोजक समिति के साथ ही सभी श्रद्धालुओं ने हिंदू देवी-देवता पर की गई टिप्पणी पर उनका अपमान किया जाना माना। जिसके बाद सभी श्याम प्रेमी और श्रद्धालुओं ने बन्टी सोनी की प्रस्तुति के बाद जैसे ही मंच से बन्टी सोनी नीचे उतरे उसी समय पांडाल में श्याम प्रेमी आयोजक समिति के साथ सभी श्रद्धालुओं ने बंटी सोनी को घेरा और आयोजक समिति व श्रद्धालुओं ने सवाल किया कि, सारे आयोजन की रूपरेखा आपकी जानकारी व आपके निर्देशन में ही की गई, आयोजन के पुर्व पंडाल का निरीक्षण कर पूरी व्यवस्थाएं आपको बतायी गई, उस समय आपने क्यों नहीं कहा कि यह-यह नहीं होना चाहिए...? और मंच पर इस लाइव प्रोग्राम में आपने अन्य भगवान के भजनों पर आपत्ति...? बाहर लगे बाबा श्याम के बैनर व कटआउट व अन्य भगवान की झांकियां व प्रस्तुतियां पर अभद्र टिप्पणी क्यों की गई...? रूबरू जानना चाहा। लेकिन घमंडी बंटी सोनी बिना कुछ कहे श्रद्धालुओं के आक्रोश को देखते हुए वहां से उल्टे पांव बिना कुछ जवाब दिये भागना पड़ा।

आयोजक समिति व श्याम प्रेमियों ने बताया कि, क्षेत्र में कई धार्मिक आयोजन होते रहे जो की निर्विघन होकर सफल आयोजन हुए हैं। लेकिन 22 मई को हुई भजन संध्या के लाइव प्रोग्राम में हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने के साथ घमंडी बंटी सोनी ने आयोजक समिति के साथ सभी श्रद्धालुओं की बेज्जती की है। बन्टी सोनी ने हमारी धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाते हुए इस भव्य एवं धार्मिक आयोजन को धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिसकी सभी श्याम प्रेमियों व श्रद्धालुओं ने बंटी सोनी के वक्तव्य की निंदा की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422